हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

निर्भीक, निष्पक्ष, सच का प्रवाह

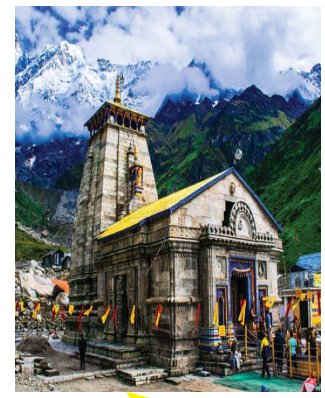

वर्ष:5 अंक:162 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये pathpravah.com हरिद्वार, गुरूवार, 18 जून 2026

मेरठ से हरिद्वार होते हुए ऋषिकेश तक दौड़ेगी नमो भारत: कनेक्टिविटी को मिलेगी नई रफ्तार

पथ प्रवाह, देहरादून

उत्तर भारत की कनेक्टिविटी को नई ऊंचाई देने वाली हाई स्पीड नमो भारत (आरआरटीएस) ट्रेन का विस्तार अब मेरठ के मोदीपुरम से हरिद्वार होते हुए ऋषिकेश के लक्ष्मणझूला तक किए जाने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सतत प्रयासों के चलते उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश और एनसीआरटीसी के बीच इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर सहमति बन गई है। जल्द ही परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) के लिए सर्वे कार्य शुरू किया जाएगा।

इस वर्ष फरवरी में दिल्ली से मेरठ के मोदीपुरम तक नमो भारत ट्रेन का सफल संचालन शुरू हो चुका है। अब इस हाईस्पीड सेवा को आगे बढ़ाते हुए हरिद्वार और ऋषिकेश तक ले जाने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री धामी ने इस प्रस्ताव

को लेकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर से भेंट कर विस्तार का प्रस्ताव सौंपा था, जिसके बाद इस परियोजना को हरी झंडी मिल गई।

परियोजना के संचालन और समन्वय के लिए उत्तराखण्ड सरकार ने अपर सचिव रीना जोशी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है, वहीं एनसीआरटीसी और उत्तर प्रदेश सरकार ने भी अपने-अपने स्तर पर सहमति देते हुए नोडल अधिकारी तैनात कर दिए हैं।

150 किमी लंबा होगा ट्रैक, हरिद्वार बनेगा मुख्य कनेक्टिविटी हब

प्रस्तावित योजना के अनुसार यह हाईस्पीड ट्रैक मेरठ के मोदीपुरम स्टेशन से शुरू होकर मुजफ्फरनगर के रास्ते उत्तराखण्ड में प्रवेश करेगा। इसके बाद यह रेल लाइन रुड़की होते हुए हरिद्वार पहुंचेगी, जहां हर की पैड़ी क्षेत्र प्रमुख कनेक्टिविटी केंद्र के रूप में उभरेगा। यहां से आगे यह ट्रेन ऋषिकेश के अंतिम छोर लक्ष्मणझूला तक पहुंचेगी। कुल 150 किलोमीटर लंबे इस ट्रैक में से 72 किमी हिस्सा उत्तर प्रदेश और 78 किमी उत्तराखण्ड में होगा।

तीर्थ और पर्यटन को मिलेगा बड़ा बढ़ावा

इस परियोजना के शुरू होने से हरिद्वार और ऋषिकेश आने वाले तीर्थयात्रियों के लिए यात्रा अत्यंत सुगम और तेज हो जाएगी। वर्तमान में दिल्ली से हरिद्वार/ऋषिकेश तक का सफर सड़क मार्ग से 5 से 6 घंटे का होता है, जबकि नमो भारत ट्रेन के संचालन के बाद यह दूरी मात्र ढाई से तीन घंटे में तय की जा सकेगी।

आर्थिक विकास और रोजगार के खुलेंगे नए द्वार

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि मेरठ से हरिद्वार होते हुए ऋषिकेश तक नमो भारत ट्रेन सेवा का विस्तार राज्य की कनेक्टिविटी को नई दिशा देगा। इससे न केवल तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को सुविधा मिलेगी, बल्कि स्थानीय लोगों को भी तेज, सुरक्षित और आधुनिक परिवहन का विकल्प मिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस परियोजना को केंद्र और संबंधित एजेंसियों के साथ मिलकर तेजी से आगे बढ़ा रही है, जिससे उत्तराखण्ड में विकास और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। बताते चले कि यह परियोजना हरिद्वार को एक प्रमुख ट्रांजिट हब के रूप में स्थापित करते हुए पूरे क्षेत्र के धार्मिक, पर्यटन और आर्थिक विकास को नई गति देने वाली साबित होगी।

एक नजर

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय को मद्रास हाईकोर्ट से बड़ी राहत

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय को मद्रास हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने उनकी संपत्ति की आयकर विभाग से जांच कराने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है। याचिका में आरोप लगाया गया था कि विधानसभा चुनाव के दौरान दाखिल किए गए दो चुनावी हलफनामों में उनकी घोषित संपत्ति के आंकड़ों में बड़ा अंतर है।

मामले की सुनवाई मद्रास हाईकोर्ट की पीठ ने की, जिसमें मुख्य न्यायाधीश एस. ए. धर्माधिकारी और न्यायमूर्ति जी. अरुल मुरुगन शामिल थे। अदालत ने कहा कि इसी प्रकार की राहत मांगने वाली कई याचिकाएं पहले भी खारिज की जा चुकी हैं, इसलिए इस मामले में हस्तक्षेप का कोई आधार नहीं बनता। याचिका चेन्नई निवासी वी. विग्नेश ने दायर की थी। उनका आरोप था कि विजय ने पेरंबूर और त्रिची (पूर्व) विधानसभा क्षेत्रों से चुनाव लड़ते समय अलग-अलग नामांकन पत्र दाखिल किए थे, जिनके साथ प्रस्तुत हलफनामों में संपत्ति के आंकड़े अलग-अलग थे। हालांकि, सुनवाई के दौरान भारत निर्वाचन आयोग ने अदालत को बताया कि विजय ने पेरंबूर निर्वाचन क्षेत्र के लिए संशोधित नामांकन पत्र दाखिल किया था। आयोग के इस स्पष्टीकरण के बाद अदालत ने माना कि मामले में आगे जांच के लिए कोई ठोस आधार नहीं बनता और याचिका को खारिज कर दिया। यह फैसला ऐसे समय आया है जब विजय मुख्यमंत्री के रूप में अपना पहला जन्मदिन 22 जून को मनाने वाले हैं। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि इस अवसर पर राज्य सरकार कुछ महत्वपूर्ण घोषणाएं कर सकती है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री विजय ने 10 मई को तमिलनाडु के नौवें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की थी। ऐसे में मद्रास हाईकोर्ट के इस फैसले को मुख्यमंत्री विजय के लिए महत्वपूर्ण कानूनी राहत माना जा रहा है।

अमरनाथ यात्रा में आने वाले लाखों श्रद्धालु कश्मीर के मेहमान : महबूबा

3 जुलाई से शुरू होकर 28 अगस्त तक चलेगी यात्रा

जम्मू। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने अमरनाथ यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं को कश्मीर का मेहमान बताया है। उन्होंने पहलगाम में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर कहा कि यह यात्रा भारत में कश्मीर के बारे में फैली घृणा और अविश्वास को समाप्त करने का मौका है। मुफ्ती ने सुरक्षा बलों के साथ-साथ पूरे कश्मीरी लोगों से उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने और यात्रियों के प्रति प्यार, सौहार्द और अतिथि सत्कार की भावना दिखाने की अपील की। उनके अनुसार, प्रत्येक श्रद्धालु के साथ मानवीय व्यवहार ही कश्मीर और मुसलमानों के विरुद्ध गलतफहमियों का मुकाबला कर सकता है और कश्मीरियत की भावना को दिखा सकता है।

करोड़ों शिव भक्तों की आस्था का केंद्र श्री बाबा अमरनाथ की यात्रा भारत की एकता-अखंडता की प्रतीक है। इस पवित्र गुफा की पुनर्खोज बूटा मोहम्मद नामक एक नेक दिल मुस्लिम गुज्जर ने की थी, और आज भी चढ़ावे का एक हिस्सा उनके परिवार को दिया जाता है, जो गंगा-जमुनी तहजीब का प्रतीक है।

इस वर्ष यात्रा 3 जुलाई से शुरू होकर 28 अगस्त को सम्पन्न होगी, जो कुल 57 दिनों तक चलेगी। श्रद्धालु अनंतनाग जिले के पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे 'नुनवान-पहलगाम मार्ग' और गांदरबल जिले के 14 किलोमीटर लंबे 'बालटाल मार्ग' का उपयोग करने वाले है। यह यात्रा जम्मू-कश्मीर के सभी धर्मों के लोगों को एक भावात्मक बंधन में बांधने व भाईचारा मजबूत करने के साथ स्थानीय लोगों जैसे घोड़े, पिट्ठू, पालकी वालों, शिकारा चलाने वालों और होटल मालिकों के लिए कमाई का प्रमुख साधन भी है।

अगामी कैबिनेट में रखा जायेगा 'पूर्ण साक्षर' राज्य का प्रस्ताव: डॉ. धन सिंह रावत

पथ प्रवाह, देहरादून

सूबे को 'पूर्ण साक्षर' राज्य घोषित करने के लिये शीघ्र ही आगामी कैबिनेट में प्रस्ताव लाया जायेगा। इसके लिये विद्यालयी शिक्षा विभाग के अधिकारियों को पूर्ण साक्षर राज्य से सम्बंधित प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराने के निर्देश दे दिये गये हैं। केन्द्र सरकार की उल्लास (अंडरस्टैंडिंग लाइफलॉन्ग लर्निंग फॉर ऑल इन सोसाइटी) कार्यक्रम के तहत निर्धारित साक्षरता मानकों को राज्य पूरा कर रहा है। सूबे के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि शिक्षा के क्षेत्र में उत्तराखंड एक और कामयाबी हासिल करने से महज एक कदम दूर है। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही प्रदेश को 'पूर्ण साक्षर' राज्य का दर्जा मिल जायेगा। इसके लिये आगामी कैबिनेट बैठक में प्रस्ताव लाया जायेगा, और इस विषय पर चर्चा की जायेगी। कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद प्रस्ताव भारत सरकार को भेजा जायेगा। उन्होंने इस संबंध में विद्यालयी शिक्षा विभाग के अधिकारियों को शीघ्र प्रस्ताव शासन को भेजने के निर्देश दे दिये गये हैं। डॉ. रावत ने कहा कि भारत सरकार के अंडरस्टैंडिंग लाइफलॉन्ग लर्निंग फॉर ऑल इन सोसाइटी

(उल्लास) कार्यक्रम के तहत निर्धारित साक्षरता मानकों को राज्य में पूरा कर लिया गया है। वर्तमान में राज्य की साक्षरता दर 98 फीसदी से अधिक है। उन्होंने कहा कि उल्लास कार्यक्रम के तहत प्रदेश में वयस्कों के लिये बुनियादी साक्षरता, महत्वपूर्ण जीवन कौशल, व्यावसायिक कौशल, बुनियादी शिक्षा और सतत शिक्षा पर विशेष फोकस किया गया। इसके लिये विद्यालयी शिक्षा विभाग के तहत सामाजिक संस्थाओं, कॉरपोरेट इकाइयों और जागरूक नागरिकों के सहयोग से गांवों को गोद लिया गया और निरक्षर वयस्कों को साक्षर बनाया गया। जिसमें मुख्य रूप से महिलाओं, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य वंचित समूहों को शामिल गया गया। योजना में उन क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई जहां महिला साक्षरता दर 60 प्रतिशत से कम थी। डॉ. रावत ने कहा कि इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को अब तक पांच राज्य हासिल कर चुके हैं जिनमें मिज़ोरम, गोवा, त्रिपुरा, हिमाचल प्रदेश और सिक्किम शामिल है।

क्या होता है 'पूर्ण साक्षर' राज्य?

'पूर्ण साक्षर' का दर्जा केंद्र सरकार के उल्लास कार्यक्रम के तहत तय किया जाता है। जिसका फोकस 15 साल से ज्यादा उम्र के लोगों की एजुकेशन पर होता है। सरकार के मुताबिक जब किसी राज्य में एडल्ट्स की एजुकेशन की दर करीब 95 प्रतिशत या उससे ज्यादा हो जाती है और गैर-साक्षर लोगों तक शिक्षा पहुंचाने का लक्ष्य पूरा हो जाता है, तब उसे 'पूर्ण साक्षर' या फुल्ली लिटरेट राज्य माना जाता है।

जल संरक्षण में जनभागीदारी की भूमिका महत्वपूर्ण: डॉ. धन सिंह रावत

पाबौ के खुड़डेश्वर मैदान में जल उत्सव-2026 का शुभारंभ

पथ प्रवाह, पौड़ी। विकासखंड पाबौ के खुड़डेश्वर मैदान में स्प्रिंग एण्ड रिवर रिजुवनेशन अथॉरिटी (सारा), उत्तराखण्ड द्वारा आयोजित जनपद स्तरीय जल उत्सव-2026 का शुभारंभ कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने जल संरक्षण एवं प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण में जनभागीदारी को आवश्यक बताया। कार्यक्रम के उपरांत उन्होंने स्वच्छता अभियान में श्रमदान किया तथा वृक्षारोपण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. धनसिंह रावत ने

कहा कि उत्तराखण्ड के पारंपरिक जल स्रोत, नदियां, गाड़-गदेरे, नौले और धारे राज्य की महत्वपूर्ण प्राकृतिक संपदा हैं। उन्होंने कहा कि बदलती जलवायु परिस्थितियों और बढ़ती जल आवश्यकताओं को देखते हुए जल स्रोतों का संरक्षण और पुनर्जीवन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन का कार्य कर रही है। साथ ही स्थानीय समुदायों, महिला समूहों और युवाओं की भागीदारी से इन प्रयासों को और प्रभावी बनाया जा सकता है। कार्यक्रम के बाद मंत्री ने खुड़डेश्वर खेल मैदान के समीप आयोजित स्वच्छता अभियान में श्रमदान किया और लोगों से स्वच्छता बनाए रखने की अपील की।

एक नजर

हरिद्वार में गुजरात का 16 वर्षीय किशोर भंवर में फंसा, तलाश जारी

पथ प्रवाह, हरिद्वार। उत्तरी हरिद्वार के भूपतवाला क्षेत्र स्थित बलराम घाट ठोकर नंबर-16 पर गंगा स्नान के दौरान गुजरात से आया एक 16 वर्षीय किशोर गंगा की तेज धारा के फंवर में फंसकर डूब गया। काफी तलाश करने के बाद युवक का कुछ पता नही चल पाया। जल पुलिस की तलाश जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह करीब 10.36 बजे डायल-112 पर सूचना मिली कि हरसिल चौहान (16 वर्ष) पुत्र राजूभाई, निवासी सूरत (गुजरात), गंगा में स्नान करते समय भंवर में फंसकर लापता हो गया। सूचना मिलते ही जल पुलिस और स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुंची तथा तत्काल सर्च अभियान शुरू किया गया। परिजनों ने पुलिस को बताया कि हरसिल स्नान के दौरान अचानक गहरे पानी और भंवर की चपेट में आ गया, जिसके बाद वह आंखों से ओझल हो गया। घटना के समय उसके साथ परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद थे। जल पुलिस द्वारा गोताखोरों की मदद से गंगा में लगातार तलाश अभियान चलाया जा रहा है। समाचार लिखे जाने तक किशोर का कोई पता नहीं चल सका था।

हरिद्वार में गुजरात का 16 वर्षीय किशोर भंवर में फंसा, तलाश जारी

पथ प्रवाह, हरिद्वार। उत्तरी हरिद्वार के भूपतवाला क्षेत्र स्थित बलराम घाट ठोकर नंबर-16 पर गंगा स्नान के दौरान गुजरात से आया एक 16 वर्षीय किशोर गंगा की तेज धारा के फंवर में फंसकर डूब गया। काफी तलाश करने के बाद युवक का कुछ पता नही चल पाया। जल पुलिस की तलाश जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह करीब 10.36 बजे डायल-112 पर सूचना मिली कि हरसिल चौहान (16 वर्ष) पुत्र राजूभाई, निवासी सूरत (गुजरात), गंगा में स्नान करते समय भंवर में फंसकर लापता हो गया। सूचना मिलते ही जल पुलिस और स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुंची तथा तत्काल सर्च अभियान शुरू किया गया। परिजनों ने पुलिस को बताया कि हरसिल स्नान के दौरान अचानक गहरे पानी और भंवर की चपेट में आ गया, जिसके बाद वह आंखों से ओझल हो गया। घटना के समय उसके साथ परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद थे। जल पुलिस द्वारा गोताखोरों की मदद से गंगा में लगातार तलाश अभियान चलाया जा रहा है। समाचार लिखे जाने तक किशोर का कोई पता नहीं चल सका था।

स्क्रैप से निकलने वाली चांदी पर थी नजर, पुलिस ने 581 ग्राम चांदी समेत तीन को दबोचा

पथ प्रवाह, हरिद्वार। थाना सिडकुल पुलिस ने सीएमआर ग्रीन कंपनी में स्क्रैप से निकलने वाली चांदी की चोरी के मामले का सफल खुलासा करते हुए कंपनी के तीन कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई 581.87 ग्राम चांदी बरामद की है।
पुलिस के अनुसार, 15 जून को ज्वालापुर निवासी ऋषि तिवारी ने थाना सिडकुल में तहरीर देकर कंपनी से चांदी चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की विवेचना एडिशनल उपनिरीक्षक अनिल सैनी द्वारा की जा रही थी। जांच के दौरान पुलिस ने कंपनी के तीन कर्मचारियों से पूछताछ की। पूछताछ में आरोपितों ने चोरी की वारदात कबूल कर ली। उनकी निशानदेही पर कंपनी की दीवार के पास फेंकी गई एक नीले रंग की थैली बरामद की गई, जिसमें कपड़े की पोटली में छिपाकर रखी गई 581.87 ग्राम चांदी मिली। मौके पर पहुंचे शिकायतकर्ता ऋषि तिवारी ने बरामद धातु की पहचान कंपनी की चांदी के रूप में की। इसके बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर मुकदमे में संबंधित धाराओं की बढ़ोतरी भी की गई है। गिरफ्तार आरोपितों के नाम पते दीपक पुत्र सुखवीर, निवासी रसूलपुर रिठौली, बुलंदशहर (हाल निवासी अशोक वाटिका, हरीनगर कॉलोनी, सिडकुल, हरिद्वार), रवि चौहान पुत्र मदनपाल चौहान, निवासी रोशन नगर, बदायूं (हाल निवासी विष्णुलोक कॉलोनी, रानीपुर, हरिद्वार) व कमल कुमार पुत्र भूदेव सिंह, निवासी शहबाजपुर, बिजनौर (हाल निवासी रामधाम कॉलोनी, सिडकुल, हरिद्वार) बताए गए हैं। पुलिस ने सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनका चालाने कर दिया है।

बर्फ फैक्ट्री में अमोनिया गैस रिसाव, मैकेनिक की मौत - मची अफरा-तफरी

पथ प्रवाह, उधमसिंह नगर। जनपद के गदरपुर क्षेत्र में एक बड़ा औद्योगिक हादसा सामने आया है। राजकीय इंटर कॉलेज के सामने स्थित एक बर्फ फैक्ट्री में अमोनिया गैस लीक होने से अफरा-तफरी मच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गैस लीकेज को रोकने पहुंचे एक मैकेनिक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया और आसपास मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को संभालते हुए राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। अधिकारियों के अनुसार फैक्ट्री में लगे वाल्व के खराब होने के कारण अमोनिया गैस का रिसाव हुआ था, जिसे बाद में नियंत्रित कर लिया गया।

दहेज की मांग पूरी न होने पर पत्नी को जिंदा जलाने की कोशिश, पति गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

हरिद्वार पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार के तहत फरार और वांछित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी कार्रवाई करते हुए दहेज उत्पीडन और पत्नी को आग लगाकर मारने की कोशिश के आरोपित पति को गिरफ्तार कर लिया है।

कोतवाली रानीपुर में 24 अप्रैल को सलोनी उर्फ अन्नु निवासी सेक्टर-4 बीएचईएल रानीपुर ने अपने पति बसन्त टपरवाल, ससुर ज्ञानचंद, सास, ननद और नन्दोई के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि विवाह के बाद से उसे दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था तथा ससुराल पक्ष द्वारा क्रेटा कार और 10 लाख रुपये की मांग की जा रही थी।

पीड़िता ने आरोप लगाया कि उसका पति बसन्त टपरवाल उसे कार में बैठाकर ले गया और आग लगाकर जान से मारने का प्रयास किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

प्रभारी निरीक्षक कोतवाली रानीपुर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने साक्ष्य संकलन और जांच के दौरान आरोपों की पुष्टि होने पर आरोपी पति बसन्त कुमार पुत्र ज्ञानचंद निवासी ब्रह्मपुरी, रावली महदूद, थाना सिडकुल हरिद्वार की तलाश शुरू की। लगातार दबिश और तलाश के बाद पुलिस ने आरोपित को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने कार्यवाही करते हुए आरोपित का चालान कर दिया है। पुलिस अन्य नामजद आरोपितों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

फरार आरोपियों के घरों के बाहर ढोल नगाड़ों से मुनादी

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

होटल धरोहर में युवक कलीम की हत्या के मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों के खिलाफ भगवानपुर पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने बुधवार को दोनों आरोपियों के घरों पर पहुंचकर धारा 84 बीएनएसएस के तहत ढोल-नगाड़ों के साथ उद्घोषणा की कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार 17 मई को होटल धरोहर में कलीम नामक युवक के साथ होटल संचालकों द्वारा कथित मारपीट की गई थी, जिसके बाद उसकी मृत्यु हो गई थी। इस मामले में दर्ज मुकदमे में भगवानपुर पुलिस पहले ही पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज चुकी है। प्रकरण में नामजद आरोपी अर्पित पुत्र प्रवीण चौहान और ऋषिकेश सिंह पुत्र रमेश सिंह, दोनों निवासी खुब्बनपुर, कोतवाली भगवानपुर, गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार फरार चल रहे हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के निर्देश पर उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है।

इसी क्रम में रुड़की न्यायालय से प्राप्त आदेश के अनुपालन में दोनों आरोपितों के आवास पर पुलिस टीम पहुंची और धारा 84 बीएनएसएस के तहत उद्घोषणा की कार्रवाई की। पुलिस ने ढोल-नगाड़ों के माध्यम से क्षेत्रवासियों को सूचित किया कि आरोपित निर्धारित समयावधि में न्यायालय के समक्ष उपस्थित हों, अन्यथा उनके विरुद्ध आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

हरिद्वार पुलिस का कहना है कि गंभीर अपराधों में शामिल होकर फरार होने वाले आरोपितों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा और उन्हें कानून के दायरे में लाकर सलाखों के पीछे पहुंचाया जाएगा।

मेडिकल स्टोर की आड़ में नशीले इंजेक्शनों का कारोबार, 50 इंजेक्शन बरामद

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

पुलिस मुख्यालय उत्तराखण्ड द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार एवं ड्रग्स फ्री देवभूमि अभियान के तहत हरिद्वार पुलिस को नशे के खिलाफ अभियान में एक और सफलता मिली है। बहादराबाद पुलिस ने नशीले इंजेक्शनों की तस्करी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 50 अवैध नशीले इंजेक्शन बरामद किए हैं।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर के निर्देश पर अवैध शराब, मादक पदार्थों, नशे के कारोबार तथा जुआ-सट्टा में संलिप्त अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत प्रभारी निरीक्षक कोतवाली बहादराबाद ने पुलिस टीमों का गठन कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए थे।

इसी क्रम में पुलिस टीम द्वारा गश्त एवं चेकिंग के दौरान नहर पटरी से ज्वालापुर जाने वाले मार्ग पर हैंडपंप के पास एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका गया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 50 नशीले इंजेक्शन बरामद हुए, जिसके बाद उसे हिरासत में ले लिया गया।

पूछताछ में आरोपित ने बताया कि वह डी-फार्मा का छात्र रह चुका है तथा उसका मेडिकल स्टोर भी है। दवाइयों की अच्छी जानकारी होने के कारण उसने लालचवश नशीले इंजेक्शनों का अवैध कारोबार शुरू कर दिया। आरोपित के अनुसार सिडकुल क्षेत्र में मजदूरों के बीच इन इंजेक्शनों की मांग अधिक रहती है, जिसके चलते वह यह कारोबार कर रहा था।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसका चालान कर दिया है। आरोपित का नाम पता राव रिहान पुत्र अहसान, निवासी बढ़ेड़ी राजपूतान, कोतवाली बहादराबाद, जनपद हरिद्वार बताया गया है।

ऋतु खण्डूडी भूषण ने दिव्यांगजनों को व्हील चेयर एवं सहायक उपकरण किए वितरित

पथ प्रवाह, कोटद्वार। विधानसभा अध्यक्ष उत्तराखंड एवं विधायक कोटद्वार श्रीमती ऋतु खण्डूडी भूषण ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय पदमपुर मोटाढांग, कोटद्वार में समाज कल्याण विभाग पौड़ी द्वारा आयोजित बहुउद्देशीय शिविर में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, कोटद्वार द्वारा अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व योजना के अंतर्गत समाज कल्याण विभाग के माध्यम से दिव्यांगजनों को 100 नॉर्मल व्हील चेयर तथा 10 इलेक्ट्रिक व्हील चेयर प्रदान की गईं। शिविर में बड़ी संख्या में दिव्यांगजन लाभान्वित हुए। शिविर में दिव्यांगता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड संबंधी सेवाएं, छड़ी, बैसाखी एवं अन्य सहायक उपकरण भी लाभार्थियों को उपलब्ध कराए गए। मुख्य अतिथि श्रीमती ऋतु खण्डूडी भूषण ने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड द्वारा सीएसआर के माध्यम से किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की पहल दिव्यांगजनों के जीवन को सुगम एवं आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण

भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि सरकार एवं सामाजिक संस्थाओं के समन्वित प्रयासों से समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाई जा सकती है।

एक नजर

पतंजलि विश्वविद्यालय से नशा मुक्त भारत-विकसित भारत अभियान का भव्य शुभारंभ

पथ प्रवाह, हरिद्वार। पतंजलि विश्वविद्यालय में 'नशा मुक्त भारत अभियान - विकसित भारत की पहचान' का भव्य शुभारंभ किया गया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुरूप आयोजित इस कार्यक्रम में नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प दोहराया गया तथा युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से जागरूक करने का संदेश दिया गया।
कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने नशामुक्त भारत के निर्माण की शपथ ली और हस्ताक्षर अभियान में भाग लेकर अपने संकल्प को सार्वजनिक रूप से व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रेरणास्रोत के रूप में स्वामी रामदेव, आचार्य बालकृष्ण तथा साध्वी देवप्रिया के मार्गदर्शन का उल्लेख किया गया। कार्यक्रम को प्रति-कुलपति प्रो. मयंक अग्रवाल का भी मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस अवसर पर वरिष्ठ शिक्षाविद् डॉ. के.एन.एस. यादव, कुलसचिव डॉ. दीपेश सक्सेना, उप-कुलसचिव डॉ. निर्विकार, परीक्षा नियंत्रक डॉ. ए.के. सिंह सहित विभिन्न संकायों के अधिष्ठाता, निदेशक, प्राध्यापक, शोधार्थी, प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी एवं अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। अभियान के तहत आगामी दस दिनों तक साइकिल रैली, बाइक रैली, योग शिविर, जन-जागरूकता कार्यक्रम, पोस्टर एवं स्लोगन प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक तथा संवाद सत्र जैसे विविध आयोजन किए जाएंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि यह पहल युवाओं में नशा-विरोधी चेतना को मजबूत करने और नशा मुक्त भारत - विकसित भारत के राष्ट्रीय संकल्प को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

तीरंदाजी हमारी प्राचीन खेल पद्धति, शौर्यता एवं वीरता की प्रतीक : डॉ. ललित नारायण मिश्र

पथ प्रवाह, हरिद्वार। एसएमजेएन पीजी कॉलेज हरिद्वार में आयोजित चौथी तीरंदाजी 6 दिवसीय राष्ट्रीय चैंपियनशिप के दूसरे दिन पदक विजेताओं को मुख्य अतिथि हरिद्वार के मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र ने पदक वितरित किए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ मिश्र ने कहा कि तीरंदाजी हमारी प्राचीन खेल पद्धति है, जो शौर्यता एवं वीरता की प्रतीक है। इस पारंपरिक खेल को आज के आधुनिक युग में जीवित बनाए रखना बहुत महत्वपूर्ण है इसके लिए उन्होंने इस खेल के आयोजक आरजेके संस्था के पदाधिकारियों एवं खिलाड़ियों को शुभकामनाएं और बधाई दी। मुख्य विकास अधिकारी डॉ मिश्र ने कहा कि खेलों से मनुष्य का जीवन स्वस्थ रहता है और उसका मानसिक विकास होता है उन्होंने कहा कि खेल राष्ट्रीय भावना के प्रतीक है। आरजेके संस्था के निदेशक कुलदीप चौहान ने मुख्य विकास अधिकारी डॉ मिश्र को पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया। चौहान ने बताया कि चौथी तीरंदाजी राष्ट्रीय चैंपियनशिप में देश के 27 राज्यों के 700 से ज्यादा युवा भाग ले रहे हैं। इस चैंपियनशिप में उत्तराखंड,उत्तर प्रदेश, झारखंड, हरियाणा, राजस्थान, जम्मू कश्मीर आदि राज्यों के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। आरजेके फाउंडेशन प्रतियोगिता का आयोजन कर रहा है। आज दूसरे दिन अंडर 13 और अंडर 18 वर्ग के विजेता खिलाड़ियों को प्रस्तुत किया गया सबसे ज्यादा मैडल प्राप्त करने में लड़कियां आगे रही। इस अवसर पर विजेताओं को आरजेके संस्था के मुख्य संरक्षक नरेश चौहान, संस्था के निदेशक रमेश प्रसाद, डॉ राधिका नागरथ, सिल्वर लाइन प्रेस्टीज स्कूल गाजियाबाद की खेल विभाग की विभागाधक्ष प्रतिमा झा, एडवोकेट अतुल बिश्नोई, अंतर्राष्ट्रीय कोच संदीप डुकलान, सूबेदार मेजर हेमचंद्र हरबोला,राष्ट्रीय कोच श्रीधर ने मेडल वितरित किए। श्री बालाजी गौशाला की ओर से सभी विजेता खिलाड़ियों को गाय का शुद्ध देसी घी वितरित किया गया।

तीरंदाजी राष्ट्रीय चैंपियनशिप के परिणाम

अंडर 13 इंडियन राउंड बॉयज स्वर्ण पदक सौरभ, सिल्वर गर्वित, ब्रोंज मेडल सुरजीत।
अंडर 13 इंडियन एंड गर्ल्स गोल्ड मेडल निधि, सिल्वर मेडल एकता और ब्रांच सपना।
अंडर 18 इंडियन बॉयज गोल्ड मेडल योगेंद्र, सिल्वर मेडल हर्षित और ब्रॉन्ज मेडल गौरव कुमार।
अंडर 18 रिकवर बॉयज गोल्ड मेडल लवित्रा, सिल्वर मेडल अतुल धर, ब्रोंज मेडल विराट सुकंडे।
अंडर 18 इंडियन राउंड गर्ल्स गोल्ड मेडल गरिमा, सिल्वर मेडल जीविका और ब्रॉन्ज मेडल मानवी ज्वाला।
रिकव अंडर 18 गर्ल्स गोल्ड मेडल वरन्या चौहान सिल्वर मेडल अमृता दत्त और ब्रॉन्ज मेडल यशविनी गवर्नमेंट।

चंपत राय पर लगे आरोप विपक्ष की साजिश, संत समाज ने किया बचाव

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

राम मंदिर निर्माण से जुड़े चंदे में कथित हेराफेरी के आरोपों को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी चंपत राय के समर्थन में संत समाज खुलकर सामने आया है। कनखल स्थित श्री पंचायती अखाड़ा निर्मल में आयोजित बैठक में संतों ने आरोपों को निराधार बताते हुए इसे विपक्ष की राजनीतिक साजिश करार दिया।

बैठक को संबोधित करते हुए बाबा हठयोगी ने कहा कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों को देखते हुए विपक्ष संघ और भाजपा की छवि धूमिल करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस अभियान में कुछ धार्मिक पदाधिकारी भी शामिल हैं। उनका कहना था कि संत समाज संघ और भाजपा को बदनाम करने की किसी भी साजिश को सफल नहीं होने देगा।

महंत जसविंदर सिंह ने कहा कि चंपत राय संत स्वभाव और सरल व्यक्तित्व के व्यक्ति हैं तथा राम मंदिर निर्माण में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि यदि किसी कर्मचारी द्वारा कोई गलत कार्य किया जाता है तो उसके लिए सीधे चंपत राय को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं है।

वहीं महंत ईश्वर दास और स्वामी ऋषिश्वरानंद ने कहा कि राम मंदिर करोड़ों हिंदुओं की आस्था का केंद्र है। विपक्ष के पास चुनावी मुद्दों का अभाव है, इसलिए चंपत राय पर आरोप लगाकर नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ को राजनीतिक रूप से कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। बैठक में एक अन्य महत्वपूर्ण प्रस्ताव भी रखा गया। संतों ने 18 जून को विश्व हिंदू परिषद केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल की बैठक में गौमाता को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने संबंधी प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजने की मांग की। बैठक में बाबा हठयोगी, स्वामी ऋषिश्वरानंद, महंत जसविंदर सिंह, स्वामी अच्यूतानंद, महंत निर्भय सिंह, महंत गोपाल हरि, महंत खेम सिंह, महंत दर्शन सिंह शास्त्री, महंत वीरेंद्र सिंह, महंत परविंदर सिंह तथा संत बीर सिंह सहित अनेक संत-महंत उपस्थित रहे।

डीएम मयूर दीक्षित की अनूठी पहल: जनकल्याणकारी शिविरों में जनता के काम

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

जनपद हरिद्वार में केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी एवं विकासपरक योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से 17 जून से 20 जून तक शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष जनकल्याणकारी शिविर आयोजित किए जाएंगे। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने शिविरों की तिथियां निर्धारित करते हुए संबंधित अधिकारियों को सफल आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने कहा कि इन शिविरों के माध्यम से आमजन को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ पात्र लाभार्थियों का पंजीकरण कर उन्हें योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया जाएगा। प्रत्येक शिविर स्थल पर नोडल एवं सहायक अधिकारियों की तैनाती की जाएगी ताकि व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित हो सकें। उन्होंने नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायतों और विकास खंड कार्यालयों सहित सार्वजनिक स्थलों पर व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए हैं, जिससे अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित हो सके। शिविरों में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए जाएंगे, जहां आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, किसान सम्मान निधि, लखपति दीदी, बेटी बचाओ-बेटी पढघओ समेत अन्य योजनाओं के लिए पंजीकरण और लाभ वितरण की व्यवस्था रहेगी।

डीएम मयूर दीक्षित ने लाभार्थियों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखने, समयबद्ध रिपोर्ट उपलब्ध कराने तथा कार्यक्रमों के फोटोग्राफ अनिवार्य रूप से भेजने के निर्देश भी जारी किए हैं।

शहरी क्षेत्रों में शिविरों की तिथियां

17 जून हरिद्वार, शिवालिक नगर, पिरान कलियर, 18 जून रुडकी, मंगलौर, इमली खेडा, रामपुर, 19 जून लक्सर, पाडली गुर्जर, डंडेरा, झबरेडा, 20 जून भगवानपुर, लंढौरा, सुल्तानपुर

ग्रामीण क्षेत्रों में विकास खंड स्तर पर शिविर

17 जून बहादराबाद, रुडकी, 18 जून लक्सर, 19 जून खानपुर, नारसन

20 जून भगवानपुर नियत की गई है। प्रशासन का उद्देश्य इन शिविरों के माध्यम से सरकारी योजनाओं की जानकारी, पंजीकरण और लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना है, ताकि अधिक से अधिक पात्र नागरिक योजनाओं से जुडकर उनका लाभ प्राप्त कर सकें।

आयुष मंत्री मदन कौशिक ने रन फॉर योगा को दिखाई हरी झंडी

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2026 के उपलक्ष्य में आयुष एवं आयुष शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा आयोजित रन फॉर योगा कार्यक्रम देवपुरा चौक से चंद्राचार्य चौक तक उत्साह और उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अधिकारियों, कर्मचारियों, चिकित्सकों, योग प्रशिक्षकों तथा छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर योग और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ आयुष एवं आयुष शिक्षा मंत्री मदन कौशिक ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर विकास तिवारी, उत्तराखण्ड आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अरुण कुमार त्रिपाठी, ऋषिकुल परिसर निदेशक प्रो. अनूप गक्कड़ तथा आचार्य रजनीश योगी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री मदन कौशिक ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में योग आज वैश्विक स्तर पर भारत की पहचान बन चुका है और करोड़ों लोग इसे अपनी जीवनशैली का हिस्सा बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि रन फॉर योगा जैसे आयोजन युवाओं और समाज के सभी वर्गों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रदेश सह मीडिया प्रभारी विकास तिवारी ने कहा कि योग केवल एक दिवस का कार्यक्रम नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन जीने की एक जीवन पद्धति है। ऐसे आयोजन समाज में स्वास्थ्य, अनुशासन और सकारात्मकता का संदेश देते हैं तथा हरिद्वार की पावन भूमि से योग के प्रसार को नई गति मिलती है।

कार्यक्रम में विभिन्न राजकीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सालयों के अधिकारी-कर्मचारी, योग अनुदेशक, पंचकर्म सहायक तथा छात्र-छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई। प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ दौड़ में भाग लेते हुए 'योग अपनाएं, स्वास्थ्य पाएं' का संदेश दिया। कार्यक्रम का समापन चंद्राचार्य चौक पर हुआ, जहां प्रतिभागियों को योग को दैनिक जीवन में अपनाने का संकल्प दिलाया गया।

संपादकीय

टेलीग्राम प्रतिबंधित करने पर भड़के पावेल

नीट पेपर लीक हो जाने के बाद अब री एग्जाम हो रहे हैं। इसके पहले सरकार ने टेलीग्राम पर अस्थाई रूप से प्रतिबंध लगा दिया है। इस प्रतिबंध के बाद टेलीग्राम के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी पावेल ड्यूरोव की बड़ी तल्ख प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा है कि नीट मामले के असली दोषियों को खोजने और सजा देने की मंशा सरकार और जांच एजेंसी की नहीं है, वह बचे हुए हैं लेकिन 15 करोड़ यूजर्स को सरकार टेलीग्राम पर प्रतिबंध लगाकर सजा दे रही है। टेलीग्राम में प्रतिबंध लगाने के बाद यदि सरकार सोचती है, पेपर लीक की घटनाएं रुक जाएंगी, यह सरकार का भ्रम है। टेलीग्राम के स्थान पर अब अन्य सोशल मीडिया के मैसेजिंग प्लेटफार्म से पेपर लीक की घटनाएं पहले की तरह हो रही हैं। सरकार एक प्लेटफार्म बंद करती है, पेपर लीक करने वाले उसके स्थान पर कई अन्य प्लेटफार्म को उपयोग में लाकर जो काम करना चाहते हैं वह कर पाते हैं।

इस तरह से पावेल ने दावा किया है की 15 करोड़ से अधिक उपभोक्ता जो टेलीग्राम से जुड़े हुए हैं सरकार ने उन्हें सजा दी है। वास्तविक दोषियों तक सरकार पहुंचना ही नहीं चाहती है ना ही उन्हें सजा देना चाहती है। जो अपराध और परीक्षा से जुड़ी सामग्री का दुरुपयोग कर पैसा कमा रहे हैं अभी तक उन पर कोई कार्रवाई सरकार द्वारा नहीं की गई है। टेलीग्राम के संस्थापक ने सरकार के ऊपर तीखा व्यंग करते हुए कहा है, सोशल मीडिया के प्लेटफार्म बंद करके परीक्षा के पेपर लीक होने से रोकना कोई स्थाई समाधान नहीं है। सरकार और जांच एजेंसी को स्थाई समाधान के लिए उन लोगों को और उन अपराधियों को खोजना होगा जो पेपर लीक जैसी घटनाओं में शामिल होते हैं, उन्हें दंडित करने की जरूरत है।

इस पूरे मामले में नेशनल टेस्ट एजेंसी का कहना है, टेलीग्राम के मैसेज एडिट फीचर का कुछ मामलों में दुरुपयोग किया गया है। परीक्षा समाप्त होने के बाद कुछ संदेशों में बदलाव कर उन्हें मौजूदा प्रश्न-पत्र लीक के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश टेलीग्राम मैसेज एडिट फीचर के द्वारा की गई है। इसी कारण से सरकार ने ट्रेलीग्राम पर 22 जून तक अस्थाई रोक लगाने का निर्देश दिया है। एनटीए के महानिदेशक अभिषेक सिंह ने सारा ठीकरा टेलीग्राम के ऊपर फोड़ दिया है, जिसका टेलीग्राम ने विरोध दर्ज कराया है। सरकार द्वारा टेलीग्राम पर जो प्रतिबंध लगाया गया है, उसके कारण भारत के करोड़ों उपभोक्ता जो इस ऐप का उपयोग कर रहे थे उन्हें भारी परेशानी हो रही है। जबकि पेपर लीक करने वाले अपराधी टेलीग्राम की जगह अब अन्य सोशल मीडिया के प्लेटफार्म का उपयोग कर रहे हैं। यह पहले भी होता था। इसके लिए सोशल मीडिया के प्लेटफार्म जिम्मेदार नहीं हैं बल्कि वह लोग जिम्मेदार हैं जो परीक्षा के काम में लगे हुए हैं। वह अपने ही लोगों पर नियंत्रण नहीं रख पा रहे हैं, जिसके कारण बार-बार परीक्षा के पेपर लीक हो रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्राधिकरण की मंत्रालय ने टेलीग्राम पर अस्थाई प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किए हैं। इस आदेश के कारण करोड़ों भारतीय उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत द्वारा समय-समय पर जो प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं, उसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हो रही है। भारत की छवि एक ऐसे देश के रूप में बन रही है जो बार-बार सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर प्रतिबंध लगाकर अपनी अक्षमता को उजागर करती है। भारत में सोशल मीडिया में जो भी कंपनियां काम कर रही हैं उनमें बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। भारत सरकार द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 की धारा 69-ए के तहत जिस तरह के आदेश सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को तुरंत वीडियो हटाने और बार-बार प्रतिबंध लगाने के आदेश से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की अब आलोचना भी हो रही है। इसकी प्रतिक्रिया समय-समय पर देखने को मिलती रहती है। हाल ही में टेलीग्राम के संस्थापक द्वारा सरकार को जो आईना दिखाया गया है, उसने नेशनल टेस्ट एजेंसी की अक्षमता को ही उजागर किया है।

फोन की स्क्रीन से लेकर समाज तक फैलता उन्माद

दिलीप कुमार पाठक

रोज सुबह आँख खुलते ही हम सबसे पहले क्या करते हैं? तकिए के नीचे से फोन निकालते हैं और वॉट्सऐप या फेसबुक स्क्रॉल करने लगते हैं। लेकिन पिछले कुछ समय से सुबह-सुबह मूड फ्रेश होने की बजाय दिमाग खराब हो जाता है। स्क्रीन पर कोई न कोई ऐसा वीडियो या पोस्ट दिख ही जाती है, जहाँ लोग एक-दूसरे को गाली दे रहे होते हैं। कोई धर्म के नाम पर लड़ रहा है, कोई जाति के नाम पर, तो कोई अपनी पसंदीदा राजनीतिक पार्टी के चक्कर में सामने वाले को नीचा दिखा रहा है। पढ़े-लिखे लोग इसे हेट स्पीच कहते हैं, पर सीधी भाषा में कहें तो यह सीधे-सीधे नफ़रत फैलाना और समाज में ज़हर घोलना है।

कभी सोचा है कि जो भाषा हम अपनों से बात करने के लिए इस्तेमाल करते थे, वो आज दूसरों को ज़ख्म देने का औज़ार कैसे बन गई? अरे भाई, सीधा सा हिसाब है - आज नफ़रत का एक बहुत बड़ा धंधा चल रहा है। पुराने ज़माने में अगर दो लोगों की लड़ाई होती थी, तो मोहल्ले के चार लोग आकर बीच-बचाव कर देते थे और बात वहीं रफ़ा-दफ़ा हो जाती थी। लेकिन आज इंटरनेट और स्मार्टफोन के दौर में कहानी बदल चुकी है। अब किसी ने बंद कमरे में बैठकर कैमरे के सामने कोई भड़काऊ बात बोली, सोशल मीडिया पर डाली, और चंद सेकंड में वो वीडियो देश के कोने-कोने में बैठे करोड़ों लोगों के फोन तक पहुँच गया। सोशल मीडिया कंपनियाँ भी कमाल हैं, उनके कंप्यूटर प्रोग्राम यानि एल्गोरिदम को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि देश में शांति है या नहीं। उन्हें बस फायदा देखना है। जिस पोस्ट पर लोग जितना ज़्यादा गुस्सा करेंगे, गाली-गलौज वाले कमेंट लिखेंगे, वो पोस्ट उतनी ही ज़्यादा वायरल होगी। यानी जितनी ज़्यादा नफ़रत, उतना ज़्यादा मुनाफ़ा। पर इस पूरी नौटंकी में पिस कौन रहा है? हम और आप। हमारा वो आपसी भरोसा टूट रहा है जो बरसों से साथ रहने से बना था। यह ज़हरीली बातें सिर्फ स्क्रीन तक सीमित नहीं रहतीं, ये धीरे-धीरे हमारे दिमाग में घर कर जाती हैं। जब हम रोज़ सुबह-शाम अपने फोन पर नफ़रत भरा कचरा देखेंगे, तो अनजाने में हमारे भीतर भी सामने वाले के लिए शक पैदा होने लगेगा। सड़क पर चलते हुए हम अपनों को भी शक की निगाह से देखने लगते हैं। अदालतें चिल्ला रही हैं, पुलिस भी कभी-कभार पकड़-धकड़ करती है, लेकिन सिर्फ कानून के भरोसे बैठना बेवकूफी होगी। पुलिस तो तब आएगी जब दंगा हो चुका होगा या किसी का सिर फूट चुका होगा। लेकिन जो ज़हर लोगों के दिलों में घुल चुका है, उसे साफ करने के लिए कोर्ट की कोई धारा काम नहीं आएगी। इस बीमारी का इलाज डॉक्टर के पास नहीं, हमारे खुद के पास है। हमें अपनी उंगलियों पर थोड़ा कंट्रोल रखना होगा। जब भी फोन पर कोई ऐसा मैसेज आए जिसे पढ़कर गुस्सा आए या जो किसी समाज के खिलाफ हो, तो उसे आगे फॉरवर्ड करने की बजाय वहीं डिलीट मार दें। हमारी एक छोटी सी समझदारी किसी बड़ी अनहोनी को टाल सकती है। हर वायरल होने वाली चीज़ को सच मत मानिए, थोड़ा रुककर सोचिए कि इसे फैलाने वाले का क्या फायदा है। दुनिया में हर इंसान एक जैसा नहीं सोच सकता, और यही खूबसूरती है। लेकिन अलग राय होने का मतलब यह नहीं कि हम लाठियां उठा लें या ज़बान से तीर चलाएं। बात ऐसी होनी चाहिए जो दिलों को जोड़े, न कि दीवारें खड़ी करे। अगली बार जब फोन पर अंगूठा चलाएं, तो याद रखें कि उस पार भी हमारी ही तरह हाड़-मांस का एक इंसान बैठा है।

शहीद गुरु अर्जुन देव जी का बलिदान

संजय गोस्वामी

2026 में गुरु अर्जुन देव जी का शहीदी दिवस 18 जून को मनाया जा रहा है। यह हर साल सिख कैलेंडर के तीसरे महीने जेठ की चौथी तारीख को मनाया जाता है। इस दिन का सिख समुदाय के लिए बहुत महत्व है।अप्रैल 1563 में रामदास और माता भानी के घर जन्मे, गुरु अर्जुन देव जी 18 साल की उम्र में पांचवें सिख गुरु थे। रु अर्जुन देव जी का जन्म अप्रैल 1563 में भारत के गोइंदवाल में हुआ था। उनके पिता गुरु रामदास और माता भानी थीं। उनके नाना और परदादा गुरु अमरदास और गुरु रामदास थे। अपने पिता की मौत के बाद, वे 1581 में 18 साल की उम्र में दस सिख गुरुओं में से पांचवें गुरु बने।मुगलों द्वारा उनकी असमय मौत के बाद, उनके बेटे 1606 में छठे गुरु बने। उनके बेटे के उत्तराधिकार को लेकर बहुत विवाद हुआ। उनके सबसे छोटे बेटे अर्जन को उत्तराधिकारी चुनने से सिखों में कई विवाद और फूट पड़ गई। पृथी चंद ने गुरु अर्जन का कड़ा विरोध किया और एक गुट बना लिया। गुरु अर्जन के अनुयायियों ने मीनास बनाया - जो अलग हुए गुट के साथ एक गठबंधन था।उन्हें 1604 में अमृतसर में स्वर्ण मंदिर या हरमंदिर साहिब बनाने की उनकी पहल के लिए जाना जाता है। उन्होंने एक गुरुद्वारे में चार दरवाज़े भी डिज़ाइन किए और कहा कि उनका विश्वास सभी जातियों के लोगों के लिए है। अगस्त 1604 में, उन्होंने 'गुरु ग्रंथ साहिब' को इकट्ठा किया, जिसमें सभी पिछले गुरुओं की लिखी बातें एक किताब में हैं। उन्होंने गुरु राम दास के शुरू किए गए मसंद सिस्टम को फॉलो किया, जिसमें कहा गया था कि सिख अपनी इनकम का कम से कम दसवां हिस्सा सिख ऑर्गनाइज़ेशन 'दसवंद' को दान करें, जो गुरुद्वारों और लंगर बनाने के लिए पैसे देता था। 1606 में, उन्हें लाहौर किले में कैद कर लिया गया और मुगल बादशाह जहांगीर ने उन्हें टॉर्चर किया और मार डाला, जिन्होंने उन पर जुर्माना लगाया था और कुछ भजन मिटा दिए थे जो उन्हें गलत लगे थे। उन्होंने अमृतसर में गोल्डन टेंपल बनवाने और 'गुरु ग्रंथ साहिब' को इकट्ठा करने की पहल की – यह एक ऐसी किताब थी जिसमें पिछले सभी गुरुओं की लिखी बातें थीं।उन्हें अपने समुदाय के लिए उनके कई योगदानों के लिए जाना जाता है। गुरु अर्जुन देव जी सिख समुदाय के पहले शहीद हैं। इस दिन को लोग अलग-अलग धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करके और गुरुद्वारे में मुफ्त भोजन देकर याद करते हैं। इस दिन, सिख समुदाय गुरु अर्जुन देव जी की याद और शिक्षाओं का बहुत सम्मान करता है।श्री गुरु अर्जन देव जी, सिख धर्म के पांचवें गुरु थे और उन्हें शहीदों के सरताज के रूप में जाना जाता है। मुगल बादशाह जहांगीर के आदेश पर 1606 में उन्होंने अपने धर्म और सिद्धांतों की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया। उनका जीवन और योगदानआदि ग्रंथ का संकलनः 1604 में, उन्होंने सिख धर्म के पवित्र ग्रंथ, आदि ग्रंथ (जो बाद में गुरु ग्रंथ साहिब बना) का संकलन पूरा किया। हरिमंदिर साहिब की स्थापनाः उन्होंने अमृतसर में श्री हरिमंदिर साहिब (स्वर्ण मंदिर) की नींव रखी। मानवता के संदेशः उन्होंने सभी धर्मों के प्रति सम्मान और शांति का संदेश दिया। शहादत का कारण और घटनामुगल शासक जहांगीर उनके बढ़ते प्रभाव और उनकी शिक्षाओं से भयभीत था, जिस कारण उसने गुरु जी को गिरफ्तार कर लिया। उन्हें इस्लाम धर्म स्वीकार करने और गुरु ग्रंथ साहिब से कुछ शब्द हटाने का दबाव बनाया गया, जिसे गुरु जी ने सिरे से नकार दिया।इसके बाद उन्हें असहनीय यातनाएं दी गईं। उन्हें भीषण गर्मी में तपते लोहे के तवे पर बैठाया गया और उनके शरीर पर जलती हुई रेत डाली गई, फिर भी वे अडिग रहे और ईश्वर का सिमरन करते रहे 30 मई 1606 को इन अमानवीय यातनाओं को सहते हुए उन्होंने रावी नदी के तट पर अपना बलिदान दे दिया। गुरु अर्जुन देव जी ने स्वर्ण मंदिर की स्थापना की और गुरु ग्रंथ साहिब को संकलित किया। वह एक बेहतरीन कलाकार और समानता के पक्के समर्थक थे। 1606 में, उन्हें मुगल राजा जहांगीर में, उन्हें लाहौर किले में कैद कर लिया गया, जहाँगीर ने उन्हें टॉर्चर किया और मार डाला।, जिससे वे सिख समुदाय के पहले शहीद बन गए।शहीदी दिवस का महत्वसिख इतिहास में वे पहले शहीद गुरु हैं। उनकी याद में हर साल सिख पंचांग के अनुसार शहीदी दिवस (मुख्य रूप से मई या जून के महीने में) बहुत श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाता है।

1606 में गुरु अर्जुन देव जी की शहादत एक अहम घटना थी, जिसने जुल्म के खिलाफ़ धार्मिक आज़ादी के लिए अटूट विश्वास और आखिरी कुर्बानी को दिखाया। उनकी मौत ने न्याय के प्रति सिखों के कमिटमेंट को और मज़बूत किया।

गुरु अर्जुन देव जी की स्मृति में गुरु ग्रंथ साहिब का पाठ कर गुरुओं और मानवता के प्रति उनके योगदान के बारे आध्यात्मिक अनुभव होता है ,स्वर्ण मंदिर की भव्यता का दर्शन किया जाता है। आध्यात्मिक अनुभव के लिए मंदिर के चारों ओर फैले पवित्र जल में स्नान किया जाता है। गुरु अर्जुन देव जी के दान और लंगर स्थापित करने के उपदेशों का पालन किया जाता है।

अमेरिका-ईरान समझौते का वैश्विक व्यवस्था और भारत पर प्रभाव

राज कुमार सिन्हा

अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध विराम और शांति समझौता वैश्विक अर्थव्यवस्था, कूटनीति और मध्य-पूर्व की भू-राजनीति को गहराई से प्रभावित करेगी। होर्मुज़ जलडमरूमध्य से तेल और गैस की निर्बाध आपूर्ति बहाल होने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तत्काल गिरावट आएगी, जिससे वैश्विक मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। समुद्री मार्ग के खुलने से अंतरराष्ट्रीय व्यापार और सप्लाई चेन की बाधाएं दूर होगी, जिससे एशियाई और यूरोपीय अर्थव्यवस्थाओं को आर्थिक स्थिरता मिलेगी। भारत, चीन और जापान जैसे बड़े तेल आयातक देशों को राजकोषीय घाटा कम करने और अपनी मुद्रा को मजबूत करने में मदद मिलेगी। भारत अपनी जरूरत का 80 फिसदी से अधिक कच्चा तेल आयात करता है। युद्ध विराम से अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमतें नीचे आएंगी, जिससे भारत का आयात बिल कम होगा और राजकोषीय घाटा नियंत्रित रहेगा। भारत का अधिकांश तेल और एलपीजी होर्मुज़ जलडमरूमध्य के रास्ते आता है। युद्ध विराम से इस समुद्री मार्ग पर हमलों का खतरा खत्म हो जाएगा, जिससे भारत को बिना किसी रुकावट के ईंधन की आपूर्ति होती रहेगी। फारस की खाड़ी में तनाव कम होने से जहाजों का बीमा प्रीमियम घटेगा। इससे भारतीय तेल कंपनियों की लॉजिस्टिक्स लागत कम होगी और देश में पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर रखने में मदद मिलेगी। यदि इस युद्ध विराम के बाद भविष्य में ईरान पर लगे अमेरिकी प्रतिबंध पूरी तरह हटते हैं, तो भारत दोबारा ईरान से सस्ते और रियायती दरों पर कच्चे तेल का आयात शुरू कर सकता है, जो भारत के लिए एक बड़ा रणनीतिक फायदा होगा। 26 अप्रैल 2026 को भारत के लिए अमेरिकी प्रतिबंधों के समाप्त होने के बाद से चाबहार बंदरगाह प्रोजेक्ट गहरे संकट में था। इस नए युद्ध विराम समझौते से भारत के लिए नई उम्मीदें जगी है। प्रतिबंधों की अवधि खत्म होने के बाद भारत ने वहां से अपने कुछ कर्मचारी हटा लिए थे और अपने निवेश को सुरक्षित करने के लिए वेट एंड वॉच की नीति अपनाई थी। युद्ध विराम के बाद भारत इस रणनीतिक बंदरगाह पर कार्गो संचालन को फिर से पूरी तरह शुरू करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। चाबहार बंदरगाह पाकिस्तान को बाईपास करके अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक पहुंचने का भारत को सीधा रास्ता देता है। शांति समझौते के कारण समुद्री मार्गों पर तनाव खत्म होने से भारत का यह महत्वाकांक्षी व्यापारिक कॉरिडोर एक बार फिर सुरक्षित और सक्रिय हो जाएगा। भारत को मध्य एशिया और अफगानिस्तान तक पहुंचने के लिए पाकिस्तान के जमीनी रास्ते की जरूरत नहीं रहेगी। मुंबई या कंडला बंदरगाह से सामान सीधे ओमान की खाड़ी के रास्ते ईरान के चाबहार बंदरगाह पहुंचेगा, जिससे दूरी और समय दोनों में भारी बचत होगी। चाबहार बंदरगाह को इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर से जोड़ा जा रहा है। इसके जरिए भारतीय सामान ईरान के रेलवे नेटवर्क का उपयोग करके कैस्पियन सागर और वहां से सीधे रूस व यूरोप तक पहुंच सकेगा। यह मार्ग पारंपरिक स्वेज नहर मार्ग की तुलना में 30 फिसदी सस्ता और 40 प्रतिशत तेजी से पहुंचेगा। संघर्ष विराम से पूरे खाड़ी क्षेत्र में तनाव कम होगी, जिससे व्यापक युद्ध की आशंका टलेगी। लेबनान, यमन और इराक जैसे देशों में परोक्ष युद्धों के थमने की संभावनाएं बनेगी। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश इस युद्ध विराम का स्वागत किया है क्योंकि उनका ध्यान अपनी अर्थव्यवस्थाओं पर है, जिसके लिए क्षेत्रीय शांति अनिवार्य है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका- ईरान में जंग खत्म करने पर बनी सहमति का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि जंग से दुनिया भर में गंभीर आर्थिक परेशानी पैदा हुई है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए इस युद्ध विराम का पुरजोर स्वागत किया है और इसे मध्य-पूर्व में एक बड़े क्षेत्रीय युद्ध को टालने की दिशा में बेहद महत्वपूर्ण कदम बताया है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने मांग की है कि इस शांति काल का उपयोग संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में बिना किसी बाधा के मानवीय सहायता, भोजन और चिकित्सा आपूर्ति पहुंचाने के लिए किया जाना चाहिए।संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने सभी क्षेत्रीय देशों से संयम बरतने और अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानूनों का सम्मान करने की अपील की है ताकि वैश्विक व्यापारिक जहाज सुरक्षित आ -जा सकें।संयुक्त राष्ट्र ने दोनों पक्षों से आग्रह किया है कि वे इस अस्थाई युद्ध विराम का उपयोग एक दीर्घकालिक और स्थायी राजनयिक समाधान खोजने के लिए करें।आगामी 19 जून को 60 दिनों के अस्थायी युद्ध विराम को एक स्थायी अंतरराष्ट्रीय संधि में बदलने के लिए स्विट्जरलैंड में एक उच्च स्तरीय शिखर सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। जिसमें अमेरिका और यूरोपीय संघ का मुख्य उद्देश्य ईरान के यूरेनियम संवर्धन को परमाणु हथियार बनाने के स्तर से बहुत नीचे लाना है। इसके लिए अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के निरीक्षकों को ईरान के सभी परमाणु केंद्रों तक बिना किसी बाधा के सीधी पहुंच देने पर बात होगी। वार्ता का एक बड़ा हिस्सा इस बात पर केंद्रित होगा कि ईरान लेबनान में हिज्बुल्लाह, यमन में हुती विद्रोहियों और इराक एवं सीरिया के सशस्त्र समूहों को वित्तीय और सैन्य सहायता देना पूरी तरह बंद करे। इसके बदले में ही इज़राइल की सुरक्षा की गारंटी सुनिश्चित की जाएगी।अमेरिका ईरान के लंबी दूरी के मिसाइल विकास और ड्रोन तकनीक के निर्यात पर कड़े अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लगाने की मांग करेगा, जिसका इस्तेमाल हालिया संघर्षों में हुआ था। यदि ईरान ऊपर दी गई शर्तों को चरणबद्ध तरीके से मानता है, तो अमेरिका ईरान के तेल और बैंकिंग क्षेत्रों पर लगे कड़े आर्थिक प्रतिबंधों को हमेशा के लिए हटाने का एक टाइमलाइन जारी करेगा।वार्ता की शुरुआत में ही अमेरिका ईरान करीब 1.25 लाख करोड़ की संपत्ति को डीफ्रीज करेगा।

साथ ही, खाड़ी देशों के सहयोग से ईरान के पुनर्निर्माण के लिए प्रस्तावित 300 अरब डॉलर के फंड को औपचारिक रूप दिया जाएगा।जबकि 28 फरवरी से अब तक ईरान के युद्ध में अमेरिका करीब 10 लाख करोड़ रुपये खर्च कर चुका है। दूसरी ओर ईरान और अमेरिका के बीच हाल ही में हुए संघर्ष में ईरान एक बेहद प्रभावी और कूटनीतिक रूप से मजबूत ताकत के रूप में उभरा है। जबकि पारंपरिक युद्ध में अमेरिका के पास अपार सैन्य और तकनीकी श्रेष्ठता है, फिर भी ईरान ने कई रणनीतिक मोर्चों पर सफलता हासिल की है।भारी हथियारों या विमान वाहकों पर निर्भर रहने के बजाय, ईरान ने उन्नत मिसाइलों और ड्रोनों का उपयोग करके अमेरिका और उसके सहयोगियों के बुनियादी ढांचे पर भारी लागत का दबाव डाला है।

फर्जी शस्त्र लाइसेंस और अवैध हथियारों के नेटवर्क पर प्रहार, एक आरोपी गिरफ्तार

पथ प्रवाह, देहरादून

एसटीएफ एसएसपी अजय सिंह के निर्देशों पर पुलिस टीम ने फर्जी शस्त्र लाइसेंस और अवैध हथियारों के नेटवर्क पर जबरदस्त प्रहार कर रही है।एसटीएफ की टीम ने ताबड़तोड़ दबिश देकर 01 और अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 01 पिस्टल व 01 रायफल एवं 17 जिंदा कारतूस बरामद किए है। अब तक 10 अभियुक्त गिरफ्तार किए जा चुके है जबक 16 अवैध शस्त्र, 358 कारतूस एवं फर्जी लाइसेंस बरामद किए गए है।

मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड के 'अपराध मुक्त उत्तराखण्ड' के विजन तथा पुलिस महानिदेशक उत्तराखण्ड दीपम सेठ के निर्देशन में स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) उत्तराखण्ड द्वारा राज्य में बाहरी राज्यों से स्थानान्तरित होकर आये शस्त्र लाइसेंसों की वैधता एवं सत्यता की व्यापक जांच की जा रही है।

इसी क्रम में एसटीएफ द्वारा की गई गहन जांच एवं साक्ष्यों के आधार पर 04.06.2026 को जनपद ऊधमसिंहनगर के थाना कोतवाली काशीपुर में मुकदमा अपराध संख्या-213/2026 अन्तर्गत धारा 318(4), 338, 336(3), 340, 61(2), 3(5), 111 बीएनएस पंजीकृत करायी गयी थी। उक्त मुकदमे की विवेचना के दौरान 17.06.2026 को एसएसपी

एसटीएफ के निर्देशन में कार्यवाही करते हुए एसटीएफ टीम ने जनपद ऊधमसिंहनगर के सरवरखेडा थाना कुण्डा क्षेत्र में दबिश देकर एक और आरोपी को गिरफ्तार किया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ अजय सिंह ने बताया कि वर्ष 2026 के प्रारम्भ से ही राज्य में फर्जी शस्त्र लाइसेंस धारकों तथा कूटरचित दस्तावेजों के माध्यम से अवैध शस्त्र लाइसेंस तैयार करने वाले गिरोहों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पिछले लगभग एक माह से एसटीएफ की टीमें इस पूरे नेटवर्क की परत-दर-परत जांच में जुटी हुई थीं।

उन्होंने बताया कि टीम द्वारा प्रस्तुत जांच रिपोर्ट एवं संकलित साक्ष्यों के आधार पर काशीपुर कोतवाली में अभियोग पंजीकृत कराया गया, जिसके बाद एसटीएफ लगातार एक के बाद एक प्रभावी कार्रवाई करते हुए इस संगठित नेटवर्क को ध्वस्त करने में लगी हुई है।

एसएसपी एसटीएफ ने कहा कि 'फर्जी शस्त्र लाइसेंस और अवैध हथियारों का यह खेल केवल कानून का उल्लंघन नहीं बल्कि समाज और राज्य की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। एसटीएफ इस पूरे नेटवर्क की तह तक जाएगी। जांच में जिस किसी व्यक्ति, दलाल, लाइसेंस धारक अथवा सहयोगी की भूमिका सामने आएगी, उसके विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

एसएसपी ने कहा कि 'फर्जी शस्त्र लाइसेंस प्रकरण में एसटीएफ बेहद गहनता और पेशेवर तरीके से जांच कर रही है। जांच में जिसकी भी संलिप्तता सामने आएगी, उसकी जगह जेल की सलाखों के पीछे होगी।

अब तक की एसटीएफ कार्यवाही

राज्य के विभिन्न जनपदों में 04 अभियोग पंजीकृत, 10 अभियुक्त गिरफ्तार कर जेल भेजे गए, 16 अवैध शस्त्र बरामद, 358 कारतूस बरामद, बड़ी संख्या में संदिग्ध एवं फर्जी शस्त्र लाइसेंस बरामद

गिरफ्तार अभियुक्त-

1. दानिश उर्फ दानू पुत्र मोहम्मद अलीम उर्फ छुट्टन निवासी सरवरखेडा थाना कुण्डा, जनपद उधम सिंह

बरामदगी –

01 पिस्टल सेमी ऑटोमैटिक .30 बोर, 01 रायफल सेमी ऑटोमैटिक 315 बोर, 10 जिन्दा कारतूस 315 बोर, 07 कारतूस जिन्दा .30 बोर, 02 कूटरचित लाईसेंस जनपद शाहजहाँपुर उ0प्र0 से सम्बन्धित, 01 कूटरचित अभियुक्त दानिश का आधार कार्ड

एसटीएफ टीम- निरीक्षक अरुण कुमार, उ0नि0 सत्येन्द्र गंगोला, हे0कानि0 सुरेन्द्र सिंह सामन्त, कानि0 रवि बोरा, थाना काशीपुर जनपद उधम सिंह नगर टीम-

उ0नि0 हेम चन्द्र तिवारी, हे0कानि0 प्रमोद कुमार, म0कानि0 वन्दना

एक नजर

उद्योग मित्रों की समस्याओं का समाधान करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता : डॉ आशीष चौहान

पथ प्रवाह, देहरादून। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान की अध्यक्षता में बुधवार को ऋषिपर्णा सभागार, कलेक्ट्रेट में जिला उद्योग मित्र समिति की बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि उद्योग मित्रों की समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण करना जिला प्रशासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आधुनिक विकास की दिशा में उद्योग क्षेत्र एक गेम चेंजर की भूमिका निभाता है तथा औद्योगिक विकास से रोजगार सृजन के साथ-साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलती है।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि औद्योगिक आस्थानों से संबंधित वे समस्याएं, जिनका समाधान लंबे समय से लंबित है और जिनके संबंध में शासन को पूर्व में पत्राचार किया जा चुका है, उन्हें 'मिसिंग लिंक' के रूप में चिह्नित करते हुए पुनः शासन को प्रेषित किया जाए ताकि उनका उचित समाधान हो सके।

बैठक में औद्योगिक आस्थान सेलाकुई में निर्माणाधीन 220 केवी विद्युत स्टेशन की प्रगति की समीक्षा की गई। इस दौरान यूपीसीएल अधिकारियों ने अवगत कराया कि आगामी दो से तीन दिनों के भीतर विद्युत स्टेशन पूर्ण रूप से सक्रिय हो जाएगा। इस पर जिलाधिकारी ने संतोष व्यक्त करते हुए परियोजना को निर्धारित समय में संचालित करने के निर्देश दिए।

औद्योगिक क्षेत्रों में विद्युत शटडाउन की समस्या पर जिलाधिकारी ने महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र (जीएमडीआईसी) को निर्देशित किया कि उद्योगपतियों एवं यूपीसीएल अधिकारियों की संयुक्त बैठक आयोजित कर शटडाउन का पूर्व निर्धारित समय तय किया जाए, जिससे उत्पादन गतिविधियों पर न्यूनतम प्रभाव पड़े। उन्होंने उद्योगों की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु एक समर्पित व्हाट्सएप ग्रुप बनाने के भी निर्देश दिए, जिसमें उद्योग मित्र अपनी समस्याएं सीधे साझा कर सकें। स्मार्ट मीटरों में रीडिंग जंप होने के कारण उपभोक्ताओं को अधिक विद्युत बिल आने की शिकायतों पर जिलाधिकारी ने यूपीसीएल अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही जीएमडीआईसी को इस संबंध में शासन को विस्तृत पत्र प्रेषित करने को कहा। औद्योगिक क्षेत्र मोहब्बेवाला में सड़कों पर विक्रम वाहनों की अवैध पार्किंग तथा सब्जी एवं रेहड़ी-फड़ी विक्रेताओं द्वारा किए जा रहे अतिक्रमण पर जिलाधिकारी ने कड़ा रुख अपनाते हुए पुलिस एवं नगर निगम अधिकारियों को आद्यौगिक आस्थानों में नियमित अभियान चलाकर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्रवाई के उपरांत पुनः अतिक्रमण करने वाले व्यक्तियों के लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने औद्योगिक इकाइयों में कार्यरत श्रमिकों एवं कामगारों के कौशल विकास पर विशेष बल देते हुए सभी औद्योगिक इकाइयों को अपने कर्मचारियों का ऑनलाइन पंजीकरण कराकर कौशल अभिवृद्धि कार्यक्रमों से जोड़ने के निर्देश दिए। बैठक में औद्योगिक भूमि के दुरुपयोग का मामला भी प्रमुखता से उठा। जिलाधिकारी ने कहा कि जिन प्रकरणों में उद्योग स्थापना के उद्देश्य से भूमि आवंटित की गई है, लेकिन लंबे समय से उद्योग स्थापित नहीं किए गए हैं अथवा आवंटन उद्देश्य से भिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं, ऐसे मामलों की गहन जांच की जाएगी।

विशेष गहन पुनरीक्षण में सभी की भागीदारी जरूरी : डीएम अंशुल सिंह

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अंशुल सिंह की अध्यक्षता में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुनरीक्षण कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा करते हुए मतदाता सूची को त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाए रखने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम निर्वाचन प्रक्रिया का अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसकी सफलता के लिए सभी संबंधित पक्षों का सहयोग अनिवार्य है। उन्होंने राजनैतिक दलों से अपील की कि वे अपने बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) के माध्यम से बूथ स्तर पर चल रहे कार्यों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें तथा बीएलओ एवं बीएलए के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करें।

बैठक के दौरान अनुपस्थित, स्थानांतरित (शिफ्टिंग) एवं मृत मतदाताओं से संबंधित सूचियां राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई गईं। जिलाधिकारी ने कहा कि इन सूचियों के परीक्षण एवं सत्यापन में राजनैतिक दलों की सक्रिय भूमिका मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण

सिद्ध होगी। उन्होंने सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि एन्यूमरेशन फॉर्म के वितरण एवं डिजिटाइजेशन कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। फील्ड स्तर पर नियमित निरीक्षण, सतत मॉनिटरिंग एवं प्रभावी पर्यवेक्षण सुनिश्चित करते हुए निर्धारित समयसीमा में कार्य पूर्ण किया जाए।

बैठक में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से पुनरीक्षण कार्यक्रम के संचालन में आ रही व्यावहारिक समस्याओं एवं सुझावों पर भी विस्तृत चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त सुझावों का संज्ञान लेते हुए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने विशेष रूप से नगरीय क्षेत्रों में फॉर्म वितरण, सत्यापन एवं डिजिटाइजेशन कार्यों पर अतिरिक्त ध्यान देने तथा वहां प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण अभियान को सफल बनाने के लिए सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, बीएलओ, बीएलए एवं राजनैतिक दलों को आपसी समन्वय और सहयोग के साथ कार्य करना होगा। बैठक में विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ निर्वाचन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन की सख्त कार्रवाई, छतरीधार क्षेत्र से हटाए गए अवैध निर्माण

पथ प्रवाह, पौड़ी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के अतिक्रमण हटाने संबंधी निर्देशों के क्रम में जनपद पौड़ी गढ़वाल में प्रशासन द्वारा अवैध कब्जों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी है। जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया के निर्देशन में जनपद मुख्यालय में नगर पालिका परिषद पौड़ी एवं लोक निर्माण विभाग (राष्ट्रीय राजमार्ग खंड) की संयुक्त टीम ने पौड़ी-कोटद्वार मोटरमार्ग पर छतरीधार क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की।

संयुक्त मजिस्ट्रेट गौरी प्रभात ने बताया कि छतरीधार के आसपास राष्ट्रीय राजमार्ग की भूमि पर किए गए अतिक्रमण पूर्व में चिन्हित किए गए थे। इसके बाद राष्ट्रीय राजमार्ग खंड श्रीनगर द्वारा संबंधित अतिक्रमणकारियों को एक सप्ताह के भीतर स्वयं अतिक्रमण हटाने के लिए नोटिस जारी किया गया था। निर्धारित अवधि समाप्त होने के उपरांत प्रशासनिक टीम ने मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई सुनिश्चित की।

अभियान के दौरान सड़क एवं राष्ट्रीय राजमार्ग की भूमि पर किए गए विभिन्न प्रकार

के अवैध अतिक्रमणों एवं निर्माणों को हटाया गया। इस दौरान अस्थायी टीन शेड सहित अन्य अवैध संरचनाओं को ध्वस्त कर राजमार्ग की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। कार्रवाई के परिणामस्वरूप मार्ग को सुगम, सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक भूमि एवं सड़क मार्गों पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा स्वीकार नहीं किया जाएगा। जनहित, यातायात सुरक्षा एवं सड़क चौड़ीकरण कार्यों को ध्यान में रखते हुए अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा। अधिकारियों ने लोगों से सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण न करने तथा प्रशासन का सहयोग करने की अपील की है।

विश्व के सबसे बड़े 5210 किलोग्राम वजन के पारद शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा

पथ प्रवाह, हरिद्वार

धर्मनगरी हरिद्वार के रूड़की रोड स्थित बहदराबाद टोल प्लाजा के समीप श्री साई शिव गंगा धाम में बुधवार को ऐतिहासिक क्षण रहा। यहां विश्व के सबसे बड़े 5210 किलोग्राम वजन के पारद शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा वैदिक मंत्रोच्चार और शंख-घंटों की गूंज के साथ एवं शिव आराधना के बीच देशभर से आए संत-महात्माओं, जनप्रतिनिधियों और हजारों श्रद्धालुओं ने इस ऐतिहासिक आयोजन के साक्षी बनकर विश्व कल्याण की कामना की।

इस अवसर पर सन्त समागम की अध्यक्षता करते हुए जगदुरु शंकराचार्य स्वामी राजराजेश्वराश्रम महाराज ने कहा कि भगवान शिव संपूर्ण सृष्टि के कल्याण के प्रतीक हैं। पारदेश्वर महादेव की स्थापना मानवता के आध्यात्मिक उत्थान, विश्व शांति और सनातन धर्म के संरक्षण का दिव्य अभियान है। भारत की आध्यात्मिक शक्ति ही विश्व को शांति का मार्ग दिखा सकती है।

जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी महाराज ने कहा कि पारद शिवलिंग की उपासना से कलियुग में शीघ्र फल प्राप्त होता है। यह शिवलिंग रोग, शोक और दरिद्रता का नाश करने वाला है। आज भारत पुनः अपने आध्यात्मिक वैभव की ओर लौट रहा है।

निरंजन पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी महाराज ने कहा कि पारे को बांधकर शिवलिंग का रूप देना ऋषियों की रस विद्या का चमत्कार है। गुरु रघुनाथ यमूल की प्रेरणा से राजीव बंसल ने सनातन धर्म को अद्भुत उपहार दिया है। साध्वी ऋतम्भरा दीदी ने नारी शक्ति और राष्ट्र निर्माण पर ओजस्वी उद्बोधन दिया। उन्होंने कहा कि शिव ही सत्य हैं, शिव ही सुंदर हैं। पारदेश्वर महादेव की स्थापना से हरिद्वार की महिमा और बढ़ेगी।

आध्यात्मिक गुरु सुधांशु महाराज ने कहा कि आज बहुत ही पावन अवसर है जब तीर्थनगरी हरिद्वार के प्रवेश द्वार पर भगवान पारदेश्वर शिवलिंग की स्थापना विश्व के कल्याण के लिए हुई है। महंत रविन्द्र पुरी महाराज ने कहा कि भगवान शिव का अलौकिक आशीवार्द है। श्रीमहंत भगतराम महाराज,निर्मल अखाड़े के स्वामी ज्ञानदेव महाराज,महंत विष्णु दास ने भी उदबोधन दिया। विश्व हिंदू परिषद के संरक्षक दिनेश चंद्र ने कहा कि भारत की सनातन परंपरा विश्व की सबसे प्राचीन और वैज्ञानिक संस्कृति है। युवाओं को अपने धर्म, संस्कृति और संस्कारों से जोड़ना समय की आवश्यकता है तथा ऐसे आयोजन समाज में राष्ट्रीय चेतना और सांस्कृतिक जागरण का कार्य करते हैं। श्री साईं शिव गंगा धाम के मैनेजिंग ट्रस्टी राजीव बसल ने पारदेश्वर महादेव की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि शास्त्रों में पारद शिवलिंग को अत्यंत चमत्कारिक एवं कल्याणकारी माना गया है। विश्व के सबसे बड़े पारदेश्वर महादेव की स्थापना मानव कल्याण, विश्व शांति और सनातन संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से की गई है। आने वाले समय में श्री साईं शिव गंगा धाम देश-विदेश के श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक ऊर्जा का प्रमुख केंद्र बनेगा। कार्यक्रम का संचालन महामंडलेश्वर स्वामी।हरिचेतनानंद गिरी ने किया।

इस अवसर पर कार्यक्रम में केबिनेट मंत्री प्रदीप बत्रा,राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा, उद्योगपति श्री राजेन्द्र अग्रवाल, गौरव गाडिलकर, विहिप विहिप के केंद्रीय सह मंत्री हरिशंकर,रुड़की मेयर अनिता अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

पूरे आयोजन में हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान पारदेश्वर महादेव का अभिषेक एवं पूजन कर विश्व शांति, राष्ट्र समृद्धि और मानव कल्याण की प्रार्थना की। आयोजन समिति ने इसे सनातन संस्कृति के इतिहास में एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक अध्याय बताते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को निरंतर आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया।

एक नजर

राजभवन से बिनसर तक हरित संदेश, अल्मोड़ा में राज्यपाल ने किया पौधारोपण

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा। उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह तीन दिवसीय दौरे पर बुधवार को अल्मोड़ा पहुंचे। बिनसर पहुंचने पर जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। दौरे के दौरान राज्यपाल ने बिनसर स्थित कुमाऊं मंडल विकास निगम (केएमवीएन) के अतिथि गृह परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का मजबूत संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। राज्यपाल ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि हर व्यक्ति को पर्यावरण संरक्षण के लिए अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए और हरित अभियान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर आर. घोड़के सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

जनहित से जुड़े मामलों में लापरवाही पर आयुक्त गढ़वाल ने जतायी नाराजगी, दो कार्मिकों का वेतन रोका

पथ प्रवाह, पौड़ी। आयुक्त गढ़वाल मंडल आनंद स्वरूप ने बुधवार को मंडल मुख्यालय पौड़ी स्थित विभिन्न विभागीय कार्यालयों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया। इस दौरान उन्होंने संभागीय परिवहन कार्यालय, संयुक्त निदेशक उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग गढ़वाल मंडल तथा अपर निदेशक कृषि कार्यालय का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। संभागीय परिवहन कार्यालय के निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने मुख्य द्वार पर शिकायत पेटी स्थापित करने तथा अभिलेखों एवं पंजिकाओं को सुव्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन से संबंधित मामलों, नगर क्षेत्र एवं चारधाम यात्रा मार्ग की पार्किंग व्यवस्था, धारी देवी क्षेत्र में पार्किंग प्रबंधन तथा चालान की स्थिति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि यात्रियों एवं स्थानीय नागरिकों को अनावश्यक रूप से किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा पार्किंग स्थलों के चिन्हीकरण की कार्रवाई समयबद्ध रूप से की जाय। आयुक्त ने जुलाई 2025 से 15 जून 2026 तक हुई सड़क दुर्घटनाओं का विवरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए तथा डुंगरी में निर्माणाधीन ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक की प्रगति की समीक्षा की।

पर्यटकों से भरा टेंपो ट्रैवलर 30 मीटर गहरी खाई में गिरा, दो की मौत

पथ प्रवाह, नैनीताल

कालाढूंगी क्षेत्र से एक दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है, जहां नैनीताल से लौट रहे पर्यटकों का एक टेंपो ट्रैवलर अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा। यह हादसा कालाढूंगी से लगभग एक किलोमीटर ऊपर हुआ, जहां वाहन करीब 30 मीटर नीचे खाई में गिर गया। दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई है। प्राप्त प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, टेंपो ट्रैवलर में करीब 29 लोग सवार थे। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और आसपास के स्थानीय लोग तुरंत सहायता के लिए घटनास्थल की ओर दौड़े।

युद्धस्तर पर राहत एवं बचाव कार्य जारी

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और राहत दल मौके पर पहुंच गए। अंधेरा होने के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन टीमों द्वारा लगातार प्रयास जारी हैं। घायलों को खाई से निकालकर सुरक्षित स्थानों और नजदीकी अस्पतालों तक पहुंचाया जा रहा है। कई लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की आशंका जताई जा रही है। आई जी निवेदिता कुकरेती ने दो लोगों की मृत्यु की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि सभी घायलों को रेस्क्यू कर अस्पताल भिजवा दिया गया है। सभी का उपचार किया जा रहा है। लेकिन गंभीर रूप से घायल दो लोगों की अस्पताल पहुंचने से पहले मृत्यु हो गई।

कालाढूंगी में दो कारों की आमने-सामने भिड़ंत, युवक की मौत, 6 घायल

पथ प्रवाह, नैनीताल

नैनीताल जनपद के कालाढूंगी क्षेत्र में निगम डिपो के पास बुधवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। दो कारों की आमने-सामने जोरदार टक्कर में एक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि छह अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान शुभम सामंत के रूप में हुई है। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू करते हुए घायलों को बाहर निकाला। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद सुशीला तिवारी अस्पताल, हल्द्वानी रेफर किया गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। शुरुआती जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही को हादसे का संभावित कारण माना जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारणों का पता जांच के बाद ही चल सकेगा।

11 ब्लॉकों में आयुर्वेद के साथ पैथोलॉजी, ईसीजी और पंचकर्म जैसी सुविधाएं मिलेंगी

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा

जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. मोहम्मद शाहिद ने बताया कि अब जनपद की 11 ब्लॉकों में मरीजों को आयुर्वेद के साथ आधुनिक जांच और पंचकर्म जैसी विशेष चिकित्सा सुविधाएं भी मिलेंगी। डॉ. शाहिद ने बताया कि अब आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में केवल पारंपरिक इलाज ही नहीं होगा, बल्कि आधुनिक जांचें भी की जाएंगी। मरीजों को मिलेंगी जिससे खून, पेशाब आदि की बुनियादी जांचें अब आयुर्वेदिक केंद्रों में ही हो सकेंगी। वहीं? ईसीजी जांच हृदय रोगियों के लिए ईसीजी की सुविधा उपलब्ध रहेगी। नाड़ी तरंगिणी आयुर्वेद की पारंपरिक नाड़ी परीक्षा के लिए आधुनिक नाड़ी तरंगिणी यंत्र से सटीक निदान होगा।पंचकर्म और अग्निकर्म शरीर शोधन के लिए पंचकर्म और दर्द-रोगों में अग्निकर्म चिकित्सा की जाएगी।

नगर निगम सभागार में प्रेस वार्ता में डॉ. मोहम्मद शाहिद ने बताया कि-प्राकृतिक चिकित्सा, योग और मर्म चिकित्सा? जीवनशैली जनित रोगों के लिए प्राकृतिक चिकित्सा, योग अभ्यास और मर्म चिकित्सा पर जोर दिया जाएगा।

जिले के 11 ब्लॉकों में आयुर्वेदिक चिकित्सा को बेहतर बनाने के लिए 84 आयुर्वेदिक चिकित्सक तैनात हैं। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए 31 आयुष्मान आरोग्य मंदिर भी संचालित हो रहे हैं। इन मंदिरों के जरिए प्राथमिक स्तर पर ही मरीजों को आयुर्वेदिक परामर्श और उपचार मिलेगा। डॉ. शाहिद ने कहा कि इस कदम से पहाड़ी क्षेत्रों के लोगों को छोटे-मोटे इलाज के लिए शहरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। आयुर्वेद के साथ आधुनिक जांचों के जुड़ने से उपचार पहले से ज्यादा प्रभावी और सटीक होगा। पत्रकार वार्ता में फार्मासिस्ट अंशुल रावत महेश आर्य आदि मौजूद रहे।

एक नजर

गौवंश संरक्षण स्क्वाड की कार्रवाई, प्रतिबंधित गौमांस के साथ दो गिरफ्तार

पथ प्रवाह, उधमसिंह नगर। गौवंश संरक्षण स्क्वाड कुमाऊं परिक्षेत्र टीम एवं कोतवाली गदरपुर पुलिस ने संयुक्त रूप से प्रभावी कार्यवाही करते हुए गांधी कॉलोनी में एक वाहन से लगभग 300 किलोग्राम प्रतिबंधित गौमांस बरामद किया है। प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम द्वारा स्विफ्ट डिजायर कार संख्या छ्र2ष्ठच 8699 की तलाशी ली गई, जिसमें प्रतिबंधित गौमांस पाया गया। पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए मौके से अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के नाम नईम पुत्र मोहम्मद अहमद, निवासी अगलगा, थाना स्वार, जनपद रामपुर और अबरार पुत्र बाबू खां, निवासी गांधी कॉलोनी, गदरपुर, जनपद ऊधम सिंह नगर है। कार्यवाही के दौरान दो अन्य आरोपी पुलिस टीम को देखकर फायरिंग करते हुए मौके से फरार हो गए, जिनकी गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीमों द्वारा सघन प्रयास किए जा रहे हैं। मौके से उक्त वाहन के अतिरिक्त 03 मोटरसाइकिलें भी बरामद की गई हैं। बरामद प्रतिबंधित गौमांस एवं वाहनों को कब्जे में लेकर अभियुक्तगणों के विरुद्ध कोतवाली गदरपुर में सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की गई है। साथ ही फरार अभियुक्तों की तलाश एवं मामले के अन्य पहलुओं की गहन जांच जारी है।

रिस्पना को नया जीवन देने की तैयारी, जिला प्रशासन-नगर निगम की संयुक्त मुहिम तेज

पथ प्रवाह, देहरादून। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने राजीव नगर क्षेत्र से रिस्पना नदी में चल रहे सफाई एवं पुनरुद्धार कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान महापौर सौरभ थपलियाल तथा मुख्य नगर आयुक्त आलोक कुमार पाण्डेय भी उपस्थित रहे। महापौर एवं अधिकारियों ने मौके पर सफाई कार्यों का जायजा लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्वयं ग्राउंड जीरो पर पहुंचकर सफाई अभियान की प्रगति का निरीक्षण किया तथा कार्यों की गुणवत्ता एवं गति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मानसून से पूर्व रिस्पना नदी की व्यापक सफाई सुनिश्चित करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है, जिससे वर्षाकाल में जल निकासी व्यवस्था सुचारू बनी रहे तथा नदी संरक्षण के प्रयासों को मजबूती मिल सके। नगर निगम देहरादून द्वारा मार्च माह से नगर निगम क्षेत्र में विशेष स्वच्छता अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत अब तक लगभग 17 हजार मीट्रिक टन कूड़े का उठान किया जा चुका है। नगर निगम द्वारा बिंदाल नदी के लगभग 8 किलोमीटर तथा रिस्पना नदी के लगभग 12 किलोमीटर क्षेत्र में व्यापक सफाई कार्य किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त शहर के विभिन्न नदी-नालों एवं जलधाराओं में भी अभियान के रूप में नियमित सफाई कार्य जारी है। जिला प्रशासन एवं नगर निगम की संयुक्त टीम द्वारा रिस्पना नदी की सफाई एवं पुनरुद्धार का कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। इस अभियान में नगर निगम द्वारा 12 जेसीबी मशीनें एवं 15 डम्पर लगाए गए हैं, जिनके माध्यम से नदी क्षेत्र से कूड़ा, मलबा एवं अवरोधों को हटाया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि नमामि गंगे एवं जिला स्वच्छता समिति के माध्यम से नदी संरक्षण एवं स्वच्छता के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार की जा रही है। इसके अंतर्गत ऐसे स्थानों का चिन्हीकरण किया जा रहा है जहां कूड़े के ढेर लगे हुए हैं तथा उन्हें प्राथमिकता के आधार पर हटाया जाएगा। साथ ही, नदी में गिरने वाले बिना उपचारित (अनट्रीटेड) नालों के जल के उपचार की दिशा में भी प्रभावी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि रिस्पना नदी के पुनरुद्धार हेतु दीर्घकालिक एवं व्यवहारिक कार्ययोजना तैयार कर चरणबद्ध ढंग से कार्य किया जाएगा। जिला प्रशासन, नगर निगम एवं संबंधित विभागों के समन्वित प्रयासों तथा दृढ़ इच्छाशक्ति से नदी के संरक्षण एवं पुनर्जीवन का लक्ष्य प्राप्त किया जाएगा। जिलाधिकारी ने इस अभियान में नगर निगम द्वारा उपलब्ध कराए गए संसाधनों एवं सहयोग के लिए नगर निगम का आभार व्यक्त किया तथा सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्यों को और अधिक गति देने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य नगर आयुक्त नगर निगम आलोक कुमार पाण्डेय, एसएनएस राजवीर सिंह, तनवीर सिंह सहित नगर निगम एवं जिला प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे।

सार्वजनिक स्थान पर शराब पीकर हुड़दंग करना पड़ा भारी

पथ प्रवाह, उत्तरकाशी। जनपद में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत प्रभारी निरीक्षक दिनेश कुमार के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस टीम चेकिंग अभियान चला रही है। इसी क्रम में जोशियाड़ा पार्किंग/पार्क क्षेत्र में चेकिंग के दौरान सार्वजनिक स्थान पर शराब का सेवन कर हुड़दंग एवं शांति व्यवस्था प्रभावित करने वाले 04 व्यक्तियों के विरुद्ध 81 पुलिस एक्ट के अंतर्गत चालान किया गया।

पुलिस के मुताबिक इस पार्क क्षेत्र में पूर्व में भी शराब पीकर हुड़दंग करने की शिकायतें लगातार पुलिस को प्राप्त हो रही थीं। शिकायतों के दृष्टिगत पुलिस द्वारा पार्किंग/पार्क क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया, जिसमें चारों व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। गिरफ्तार व्यक्तियों का चिकित्सीय परीक्षण कराने के उपरांत उनके विरुद्ध वैधानिक चालानी कार्रवाई अमल में लाई गई।

पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी, कमलेश उपाध्याय के निर्देशन में उत्तरकाशी पुलिस द्वारा अपराधियों की धरपक्कड़ के साथ-साथ यातायात नियमों एंव उपद्रवियों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई कर लगाम कसी जा रही है।

विश्व योगासन चैम्पियनशिप 2026 में भारत का परचम, पतंजलि की डॉ. आरती पाल को स्वर्ण पदक

पथ प्रवाह, हरिद्वार। विश्व योगासन चैम्पियनशिप 2026 में भारत ने अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए विश्व पटल पर अपना दबदबा कायम किया। भारतीय महिला टीम की कप्तान एवं पतंजलि विश्वविद्यालय की सहायक प्राध्यापक डॉ. आरती पाल ने स्वर्ण पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया। उनके नेतृत्व में भारतीय दल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए योगासन को वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक खेल के रूप में नई पहचान दिलाई।

4 से 8 जून तक अहमदाबाद में आयोजित प्रथम विश्व योगासन चैम्पियनशिप में 79 देशों के 522 खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस ऐतिहासिक प्रतियोगिता में भारत ने कुल 114 पदक, जिनमें 102 स्वर्ण पदक शामिल हैं, जीतकर पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। यह आयोजन योगासन को भविष्य में ओलंपिक मान्यता दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पतंजलि विश्वविद्यालय की छात्रा इंदु मथुरिया ने भी रिदमिक पेयर स्पर्धा में भारत के लिए स्वर्ण

पदक जीतने के साथ कुल दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। उनकी उपलब्धि युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी है और विश्वविद्यालय में विकसित हो रही उच्च स्तरीय प्रशिक्षण व्यवस्था का प्रमाण भी है।

विशेष रूप से, डॉ. आरती पाल ने सीनियर-ए वर्ग की ट्रेडिशनल एवं फॉरवर्ड बेंड स्पर्धाओं में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए भारतीय महिला टीम का सफल नेतृत्व किया। वे छह से अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं और हर प्रतियोगिता में पदक जीतने का गौरव हासिल कर चुकी हैं। एशियन योगासन स्पोर्ट्स चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक सहित 26 से अधिक राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उनकी सफलता उन्हें देश की अग्रणी योगासन खिलाड़ियों में स्थापित करती है। डॉ. पाल भारत की पहली योगासन खिलाड़ी हैं जिन्हें प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार के लिए अनुशंसित किया गया है। पतंजलि विश्वविद्यालय का यह उत्कृष्ट प्रदर्शन दर्शाता है कि संस्थान योग शिक्षा, अनुसंधान और खेल उत्कृष्टता का राष्ट्रीय केंद्र बन चुका है। विश्व योगासन चैम्पियनशिप 2026 में मिली यह सफलता न केवल विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को मजबूत करती है, बल्कि भारत को योगासन की वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान देती है।

296 सीसीटीवी कैमरों ने खोला राज: दो शातिर बदमाश गिरफ्तार

0पथ प्रवाह, हरिद्वार।

पुलिस ने लूट की एक सनसनीखेज वारदात का सफल खुलासा करते हुए दो शातिर लुटेरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से लूटी गई बुलेट मोटरसाइकिल और घटना में प्रयुक्त स्प्लेंडर बाइक बरामद की गई है। मामले में फरार दो अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

पुलिस के अनुसार, 5 जून को देवबंद निवासी हिमांशु पुत्र राजीव ने कोतवाली मंगलौर में शिकायत दर्ज कराई थी कि अज्ञात बदमाश उनकी बुलेट मोटरसाइकिल संख्या यूके 08 एएम्स -3897 लूटकर फरार हो गए। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत भुल्लर के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने घटना के खुलासे के लिए जनपद और आसपास के क्षेत्रों में लगे करीब 296 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। साथ ही स्थानीय अपराधियों की गतिविधियों और तकनीकी साक्ष्यों का गहन

विश्लेषण किया गया।

लगातार जांच और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने सर्वानंद घाट, हरिद्वार क्षेत्र से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों ने वारदात में शामिल अपने दो अन्य साथियों के नाम भी बताए हैं। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान आशीष पुत्र महावीर निवासी ग्राम डोसीनी थाना लक्सर तथा सिद्धार्थ पुत्र बिरमपाल निवासी ग्राम ढंढेरा थाना सिविल लाइन रुड़की के रूप में हुई है।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी गई बुलेट मोटरसाइकिल संख्या यूके 08 एएम्स -3897 तथा वारदात में इस्तेमाल की गई बिना नंबर की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की है।

पुलिस फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ विधिक कार्यवाही करते हुए उनका चालान कर दिया है।

दुष्कर्म मामले में फरार आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

महिला संबंधी अपराधों पर सख्त रुख अपनाते हुए हरिद्वार पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार के तहत दुष्कर्म के एक मामले में फरार चल रहे सह-आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी आसिफ उर्फ सलमान को कलियर बस अड्डा क्षेत्र से दबोचा।

पुलिस के अनुसार, 13 मई को एक महिला ने कोतवाली पिरान कलियर में शिकायत दर्ज कराई थी कि तीन लोगों ने आपसी षड्यंत्र के तहत उसे डरा-धमकाकर एक कमरे में ले जाकर दुष्कर्म किया तथा जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। इस मामले में मुख्य आरोपी जोगिंदर को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। वहीं, लंबे समय से फरार चल रहे सह-

आरोपित आसिफ उर्फ सलमान पुत्र शेरअली निवासी तेल्लीवाला पाडली गुर्जर, गंगनहर, हरिद्वार को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने बताया कि मामले में शामिल एक अन्य अज्ञात महिला आरोपी की तलाश जारी है। गिरफ्तार आरोपित के खिलाफ पुलिस ने विधिक कार्यवाही करते हुए उसका चालान कर दिया है।

ग्राम टाना-पन्याली में क्षेत्र पंचायत सदस्य ने अपने निजी खर्च से बनवाया सी.सी. मार्ग

पथ प्रवाह, रानीखेत।

विकास खंड ताड़ीखेत के ग्राम टाना-पन्याली में क्षेत्र पंचायत सदस्य नीरज सिंह मेहरा द्वारा अपने निजी खर्च से सी.सी. मार्ग का निर्माण कराया गया। यह मार्ग गांव के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसी रास्ते से स्कूली बच्चे प्रतिदिन विद्यालय जाते हैं तथा श्रद्धालु माता मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

ग्रामीणों के अनुसार बरसात के दिनों में मार्ग की स्थिति काफी खराब हो जाती थी, जिससे बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं और श्रद्धालुओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। जनहित को ध्यान में रखते हुए नीरज सिंह मेहरा ने अपने स्तर पर इस मार्ग का निर्माण कराया, जिससे अब लोगों को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन की सुविधा मिल सकेगी।

बताया जा रहा है कि विकास खंड ताड़ीखेत में यह पहला अवसर है, जब किसी क्षेत्र पंचायत सदस्य ने अपने निजी खर्च से इस प्रकार का विकास कार्य कर मिसाल पेश की है। इस पहल की ग्रामीणों द्वारा सराहना की जा रही है और इसे जनप्रतिनिधियों के लिए प्रेरणादायक कदम माना जा रहा है। नीरज सिंह मेहरा ने कहा कि जनप्रतिनिधि का दायित्व केवल पद पर बने रहना नहीं, बल्कि जनता की समस्याओं को समझकर उनके समाधान के लिए कार्य करना है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास और जनसेवा के लिए वे आगे भी निरंतर प्रयासरत रहेंगे। ग्रामीणों ने मार्ग निर्माण कार्य के लिए उनका आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस सड़क से विशेष रूप से विद्यार्थियों, महिलाओं, बुजुर्गों एवं माता मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को लाभ मिलेगा।

साहित्य, संस्कृति एवं कला के संवर्धन हेतु आईजीएनसीए और लेखक गांव के बीच एमओयू

पथ प्रवाह, नई दिल्ली

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) एवं लेखक गांव, देहरादून के बीच साहित्य, संस्कृति एवं कला के क्षेत्र में सहयोग और संयुक्त गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। आईजीएनसीए की ओर से सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी तथा लेखक गांव की ओर से निदेशक श्रीमती विदुषी निशंक ने समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। आईजीएनसीए के डीन (प्रशासन) और कला निधि प्रभाग के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) रमेश चंद्र गौड़ भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम आईजीएनसीए के उमंग सम्मेलन कक्ष में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर दोनों संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भारतीय साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण, संवर्धन और प्रसार के लिए मिलकर कार्य करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की और भविष्य में संयुक्त संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, सांस्कृतिक आयोजनों और शोधपरक गतिविधियों के संचालन की संभावनाओं पर चर्चा की। डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने कहा, लेखक गांव के साथ मिलकर आईजीएनसीए वहां क्या कर सकता है, यह प्रश्न हमारे सामने था। हमारा सम्बंध सीधे-सीधे लेखकों से नहीं है। हम कुछ कार्यक्रम करते हैं, जिसमें लेखकों को आमंत्रित करते हैं, पर वैसे सीधे-सीधे हमारा सम्बंध लेखकों से नहीं होता। खासकर, जो समकालीन साहित्यकार, लेखक हैं, उनसे तो बिल्कुल ही नहीं हो पाता। एक-आध कार्यक्रम अगर होते हैं, क्योंकि हम अलग तरह के प्रकल्पों पर काम करते हैं, जो भारतीय संस्कृति की स्थायी निधि, स्थायी कोष, स्थायी संदर्भ की बात करते हैं। तो हम क्या लेखक गांव के साथ कर सकते हैं? तो, हमें यह समझ में आया कि ऐसी बहुत सारी चीजें हैं, जहां हमें ऐसे विशेषज्ञों की आवश्यकता पड़ती है, जो एक साथ बैठकर एक नैसर्गिक एवं निष्पक्ष वातावरण में मंथन करें। अगर आप यहां बैठकर मंथन करते हैं, तो थोड़ी देर बाद आपके अंदर यह बात हावी होने लगती है कि हम कला केंद्र में बैठे हैं। यह आपके अवचेतन में आ जाता है, तो आपके अंदर जो एक निष्पक्ष विचार प्रक्रिया होनी चाहिए, वह शायद कई बार नहीं होती। इसलिए हमको लगा कि अगर हम एक ऐसी जगह जाएंगे, जहां हमारे विद्वान शांत एवं निष्पक्ष वातावरण में बैठकर मंथन कर सकें, ऐसी जगह हमारे लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा, दूसरा एक विचार यह आया कि हम लोग बहुत सारे युवा पेशेवरों के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम करते हैं, चाहे फिर वह कंजर्वेशन हो, रिसर्च मेथोडोलॉजी हो, कल्चरल इंफॉर्मेटिक्स हो, क्रिटिकल एडिशन तैयार करना हो। तो ऐसे में वर्कशॉप के लिए भी अगर हम कोई ऐसी आवासीय जगह ढूंढ़े, जहां पर प्रतिभागी अपनी पढ़ाई की अवधि के बाद भी आपस में बातचीत करके उसको आगे बढ़ा सकें, ऐसा वातावरण भी आपको लेखक गांव में मिलता है। यह रचनात्मकता के लिए उर्वर भूमि तैयार करने वाला एक स्थान है, पवित्र स्थान है। इसकी ऊर्जा और प्रेरणा से लोगों की रचनात्मकता मुखरित हो सकती है।

विदुषी निशंक ने लेखक गांव के बारे में बताते हुए कहा कि लेखक गांव की यात्रा इस प्रश्न से शुरू हुई थी कि लेखक के बारे में कोई सोचेगा क्या? क्या कोई ऐसा स्थान होगा, जहां साहित्य केवल लिखा नहीं जाएगा, बल्कि जिया भी जाएगा? जहां प्रकृति, संस्कृति, संवेदना, संवाद और सृजन एक साथ उपस्थित होंगे? जहां हिमालय केवल दृश्य नहीं, बल्कि दृष्टि बनेगा। इसी विचार से, हिमालय और मां गंगा के आशीर्वाद के साथ तथा डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक जी की अविराम साधना और दूरदृष्टि ने लेखक गांव की परिकल्पना को यथार्थ के धरातल पर उतारा है। यह इस देश का पहला लेखक गांव है, जो हिमालय की वादियों में बसा है। लेखक गांव केवल लेखकों के लिए सीमित नहीं है, बल्कि यह एक जीवंत केंद्र है। यह साझेदारी दोनों संस्थानों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि आईजीएनसीए के सानिध्य में यह हमारे लिए बहुत बड़ा अवसर है। यह दो संस्थानों का मिलन नहीं है, बल्कि दो विचारों का मिलन है।

प्रो. रमेश चंद्र गौड़ ने कहा, जब हम किसी भी संस्था के साथ एमओयू साइन करते हैं, तो सबसे महत्वपूर्ण बिंदु यह होता है कि दोनों संस्थाएं मिलकर भारतीय साहित्य और संस्कृति को कैसे आगे बढ़ा सकते हैं। लेखक गांव के साथ यह समझौता ज्ञापन कई मायनों में बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह अनूठी पहल है। भारत में ऐसी जगहों के उदाहरण आपको बहुत कम देखने को मिलेंगे, जहां जाकर आप रुक सकते हैं, अपनी किताब लिख सकते हैं, अपनी रिसर्च कर सकते हैं।

समझौता ज्ञापन कार्यक्रम में आईजीएनसीए के अधिकारियों एवं कर्मचारियों, लेखक गांव के प्रतिनिधियों, डॉ. बेचैन कंडियाल, अलका सिन्हा, सर्वेश उनियाल सहित साहित्य, संस्कृति एवं कला जगत से जुड़े अनेक विद्वान, लेखक, कलाकार, शोधार्थी तथा अतिथि उपस्थित रहे। दोनों संस्थानों के बीच यह समझौता ज्ञापन दो सांस्कृतिक धाराओं का एक मिलन है। निश्चित रूप से यह समझौता ज्ञापन भारतीय सभ्यता, संस्कृति और कला के लिए महत्वपूर्ण सिद्ध होगा।

एक नजर

कुमाऊं महोत्सव 20 जून से लोक संस्कृति, संगीत और स्थानीय प्रतिभाओं का संगम

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा। कुमाऊं की सांस्कृतिक धरोहर को समर्पित 'कुमाऊं महोत्सव 2026' 20 जून से 30जून तक जीआईसी ग्राउंड, अल्मोड़ा में शुरू होगा। इस बार आयोजन को और भव्य रूप दिया गया है। सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि उत्तराखंड की लोक संस्कृति, कला, साहित्य और परंपराओं को संरक्षित व प्रोत्साहित करना। मुख्य संयोजक हरीश कनवाल ने कहा कि स्थानीय कलाकारों, युवाओं और महिलाओं की भागीदारी को इस बार विशेष महत्व दिया गया है। आयोजकों के मुताबिक रोजाना अलग-अलग सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे ओपन माइक नई आवाजों को मंच बैंड प्रतियोगिता और नृत्य प्रतियोगिता युवाओं के टैलेंट का जलवा, माया उपाध्याय, रमेश बाबू गोस्वामी द्वारा महाभारत नाटिका गोविंद दिगारी, द्वारा नृत्य नाटिका कुमाऊनी फैंसी ड्रेस,राकेश खनवाल रुचि आर्या, विक्की आर्य गोपाल चम्याल द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे ।अध्यक्ष राजेंद्र तिवारी ने कहा कि बच्चों और युवाओं को मंच देना महोत्सव की सबसे बड़ी विशेषता है। 'नई पीढ़ी जब संस्कृति से जुड़ेगी, तभी लोक परंपराएं जिंदा रहेंगी। 'इस बार हस्तशिल्प और लोक उत्पादों के लिए खास व्यवस्था की गई है। स्थानीय कारीगरों, स्वयं सहायता समूहों और व्यापारियों को स्टॉल आवंटन में प्राथमिकता मिलेगी। इससे स्वरोजगार को बढ़ावा मिलेगा और कुमाऊं के उत्पादों को बाजार भी मिलेगा। श्री तिवारी ने बताया कि कार्यक्रम के आयोजन में विशेष सहयोग संरक्षक पूर्व वार एसोसिएशन अध्यक्ष शेखर लखचौरा, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष रवि रौतेला, रंगकर्मी अमरनाथ सिंह नेगी, जिलाधिकारी अंशुल सिंह का है।पत्रकार वार्ता में सलाहकार विनीत बिष्ट, सांस्कृतिक संयोजक देवेंद्र भट्ट 'रिक्की', उपाध्यक्ष दीपक कुमार, सचिव वैभव पांडे, कार्यक्रम प्रभारी हर्षिता तिवारी व शगुन त्यागी, महिला उपाध्यक्ष प्रतिभा भट्ट, मीडिया प्रभारी प्रदीप मेहता व रोहन कुमार आदि मौजूद थे।

नवीन आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक

पथ प्रवाह, देहरादून। बुधवार को सचिवालय में सचिव गृह शैलेश बगोली की अध्यक्षता में राज्य में नवीन आपराधिक कानूनों के प्रभावी एवं सुचारू क्रियान्वयन की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस, कारागार, न्यायपालिका, अभियोजन एवं फॉरेंसिक विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। समीक्षा बैठक में सचिव गृह ने माह अगस्त 2026 के अंत तक राज्यभर में नवीन आपराधिक कानूनों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने क्रियान्वयन तंत्र की गहन समीक्षा करते हुए थाना स्तर पर कार्यप्रणाली को सुदृढ़ बनाने हेतु सुधारात्मक एवं विशिष्ट कार्यवाही करने के साथ ही सभी जनपद स्तरीय अधिकारियों को नागरिक-केंद्रित पुलिसिंग एवं ई-एफआईआर को बढ़ावा दिये जाने तथा 60 एवं 90 दिनों की निर्धारित समय-सीमा में एफआईआर की विवेचना एवं निस्तारण में सुधार लाने के भी निर्देश दिए।

विकसित उत्तराखंड के निर्माण में सचिवालय परिवार की भूमिका महत्वपूर्ण: मुख्यमंत्री

पथ प्रवाह, देहरादून।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड सचिवालय संघ के शपथ ग्रहण समारोह में प्रतिभाग कर नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड सचिवालय संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष दीपक जोशी, उपाध्यक्ष राकेश जोशी एवं संजय कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष प्रमिला टम्टा, महासचिव राजेन्द्र रतूड़ी, सचिव अतुल कुमार सिंह, संयुक्त सचिव दिव्यांशु डोभाल एवं सुरेन्द्र सिंह रावत, संप्रेक्षक रीना मखनवाल, कोषाध्यक्ष रमेश सिंह बर्त्वाल तथा प्रचार सचिव दीपक बिष्ट सहित समस्त नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड सचिवालय केवल एक भवन नहीं, बल्कि प्रदेश की शासन व्यवस्था की आत्मा और जनविश्वास का प्रमुख केंद्र है। यहीं से नीतियों का निर्माण होता है, जनकल्याणकारी योजनाओं को दिशा मिलती है और प्रदेश के विकास की रूपरेखा तैयार होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सचिवालय में कार्यरत प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी विकसित उत्तराखंड के निर्माण में महत्वपूर्ण सहभागी है। सरकार द्वारा बनाई गई नीतियों और योजनाओं को धरातल पर उतारने तथा अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने में सचिवालय परिवार की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सचिवालय के अधिकारी और कर्मचारी शासन एवं जनता के बीच विश्वास के मजबूत सेतु के रूप में कार्य करते हैं। उनकी कार्यकुशलता, कर्मनिष्ठा और समर्पण से सरकार की योजनाओं का लाभ आम नागरिकों तक पहुंचता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रारंभ से ही शासन व्यवस्था को अधिक संवेदनशील, पारदर्शी और जनहितकारी बनाने का प्रयास किया है। इसी क्रम में विभिन्न कर्मचारी संगठनों के साथ निरंतर संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं और सुझावों को गंभीरता से लेते हुए समाधान की दिशा में कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि एक मजबूत, प्रेरित और संतुष्ट कर्मचारी तंत्र सुशासन की सबसे बड़ी शक्ति होता है। शासन और कर्मचारी जब टीम भावना के साथ कार्य करते हैं तो विकास कार्यों को गति मिलती है और जनता का विश्वास शासन व्यवस्था पर और अधिक मजबूत होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाने, तकनीक आधारित सेवाओं को बढ़ावा देने और ई-गवर्नेंस को सशक्त करने के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि आम नागरिकों को समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध हों।

इस लक्ष्य की प्राप्ति में सचिवालय परिवार की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में उत्तराखंड सचिवालय बेहतर कार्य संस्कृति, आपसी समन्वय और सकारात्मक वातावरण के माध्यम से सुशासन एवं कार्यकुशलता की नई मिसाल स्थापित करेगा। मुख्यमंत्री ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी से अपेक्षा की कि वे सेवा, संवेदनशीलता और समर्पण की भावना के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए देवभूमि उत्तराखंड को देश का अग्रणी राज्य बनाने के सरकार के 'विकल्प रहित संकल्प' को सिद्धि तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

एसएसजे विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में 21 विद्यार्थियों को मिलेंगे पदक

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा।

सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के गुरुवार को आयोजित दीक्षांत समारोह में विभिन्न विषयों के मेधावी विद्यार्थियों को पदक प्रदान किए जाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. देवेंद्र सिंह बिष्ट ने बताया कि समारोह में विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं उत्तराखंड के राज्यपाल 21 विद्यार्थियों को पदक प्रदान करेंगे। साथ ही विश्वविद्यालय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले सात विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्नातक स्तर पर विभिन्न विषयों में 32, स्नातकोत्तर स्तर पर 120 तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में 17 विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे। इसके अलावा पांच विद्यार्थियों को प्रायोजक स्वर्ण पदक भी दिए जाएंगे। प्रायोजक पदकों में वाणिज्य विषय में स्नातक स्तर पर सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्रा को श्रीमती भगवती देवी स्मृति स्वर्ण पदक, एलएलबी में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्रा को श्रीमती शीला देवी स्मृति स्वर्ण पदक तथा बीएससी में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्रा को अनीता एवं डॉ. प्रमोद अग्रवाल गोल्डी स्वर्ण पदक प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा बीएड में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को राधा देवी एवं खीम सिंह बिष्ट स्मृति स्वर्ण पदक तथा स्नातकोत्तर वाणिज्य में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को स्वर्गीय कुशल सिंह बिष्ट स्मृति स्वर्ण पदक दिया जाएगा। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय के विभिन्न विषयों के 48 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि भी प्रदान की जाएगी। समारोह के दौरान कुलाधिपति विश्वविद्यालय द्वारा विकसित 'विधि सहयोगी ऐप' तथा डा ललित चन्द जोशी ?की पुस्तक 'पत्रकारिता : संभावनाएं, भविष्य एवं चुनौतियां' पुस्तक का विमोचन करेंगे।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाईट- www.pathpravah.com